संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

■ वर्ष -17 ■ अंक-150 ■ रायपुर, बुधवार 28 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-2.00 रुपये

आज का पंचांग



तिथि : तृतीया
नक्षत्र : कृत्तिका
प्रथम करण : वणिजा
द्वितीय करण : विष्टि
पक्ष : कृष्ण
वार : बुधवार
योग : व्यतिपाता
सूर्योदय : 06:34
सूर्यास्त : 17:35
चंद्रमा : वृषभ राशि में
राहुकाल : 14:50 - 16:13
विक्रमी संवत् : 2083
शक संवत : 1948 पराभव
मास : कार्तिक
शुभ मुहूर्त अभिजीत : कोई नहीं

गाजियाबाद के होटल में लगी भीषण आग

गाजियाबाद: उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में मंगलवार को साइट 4 स्थित 'बनाना ट्री होटल' में भीषण आग लग गई। घटना के बाद दमकल विभाग ने तुरंत कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार, दमकलकर्मियों ने होटल के अंदर मौजूद सभी 18 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी के अनुसार, दमकल विभाग को 27 अक्टूबर को दोपहर 1:29 बजे आग लगने की सूचना मिली। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, तुरंत 9 दमकल गाड़ियां घटनास्थल के लिए रवाना कर दी गईं। बचाव और राहत कार्यों में मदद के लिए वैशाली फायर स्टेशन से एक हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म भी भेजा गया। मौके पर पहुंचने पर दमकलकर्मियों ने पाया कि होटल की 5वीं मंजिल पर आग लगी थी और वह तेजी से ऊपर की ओर फैल रही थी।

टीम ने तुरंत होटल के आंतरिक अग्निशमन सिस्टम का इस्तेमाल करके आग को रोकने की कोशिश की। दमकलकर्मियों ने दो होज़ (पानी के पाइप) लगाए और आग को और आगे फैलने से रोक दिया, जिससे स्थिति को काबू में लाने में मदद मिली।

तमिलनाडु में शराब खरीदने के नियम बदले

चेन्नई: तमिलनाडु में शराब खरीदने वालों के लिए अब नया नियम लागू होने जा रहा है। तमिलनाडु राज्य विपणन निगम (टासमैक) ने खुदरा दुकानों पर 1,000 रुपये से अधिक की शराब खरीद के लिए डिजिटल भुगतान अनिवार्य कर दिया है। यह नया नियम एक नवंबर से लागू होगा। इसके तहत ग्राहक यूपीआई, डेबिट कार्ड या क्रेडिट कार्ड से भुगतान कर सकेंगे। हालांकि, 1,000 रुपये तक की खरीदारी के लिए नकद और डिजिटल, दोनों माध्यमों से भुगतान का विकल्प उपलब्ध रहेगा। टासमैक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एक आधिकारिक परिपत्र का हवाला देते हुए मंगलवार को बताया कि राज्य में फिलहाल शराब की 4,048 खुदरा दुकानें संचालित हैं। अधिकारी ने कहा कि यूपीआई, डेबिट और क्रेडिट कार्ड से भुगतान की सुविधा पहले से उपलब्ध है, लेकिन अधिकांश लेनदेन अब भी नकद में होते हैं। उन्होंने कहा, "रोजाना बड़ी मात्रा में कैश संभालने से दुकानों के कर्मचारियों को कई तरह की परिचालन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

साय कैबिनेट की बैठक में लिए गए अहम फैसले : अधोसंरचना मिशन के लिए 500 करोड़ मंजूर

15 नवंबर से शुरू होगी धान खरीदी, सरकारी कर्मचारियों को मिलेगा कैशलेस इलाज

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में किसानों, सरकारी कर्मचारियों, सड़क निर्माण, पर्यटन, रेल कनेक्टिविटी और खेल समेत कई अहम मुद्दों पर फैसले लिए गए। कैबिनेट ने खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू करने, सरकारी कर्मचारियों और उनके आश्रितों को कैशलेस इलाज की सुविधा देने और मुख्यमंत्री अधोसंरचना मिशन के लिए पांच साल में 500 करोड़ का प्रावधान करने को मंजूरी दी। बैठक में पर्यटन विकास मिशन, खेल उत्कर्ष मिशन, औद्योगिक निवेश और कृषक उन्नति योजना में संशोधन से जुड़े प्रस्तावों को भी स्वीकृति दी गई।

15 नवंबर से होगी धान खरीदी

छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत 15 नवंबर 2026 से धान खरीदी शुरू होगी। कैबिनेट के निर्णय के अनुसार, प्रदेश के 27.50 लाख से अधिक किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से अधिकतम 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान खरीदा जाएगा।

धान विक्रय के लिए एग्रीस्टैक आईडी वाले पिछले वर्ष के पंजीकृत किसानों को मान्य किया गया है। ऐसे किसानों को अलग से दोबारा पंजीयन कराने की आवश्यकता नहीं होगी। एग्रीस्टैक में पंजीयन होने के कारण किसानों को धान बेचने के लिए ऋण पुस्तिका भी समिति में अलग से ले जाने की जरूरत नहीं होगी। धान के रकबे का निर्धारण डिजिटल क्रॉप सर्वे के माध्यम से ऑनलाइन किया जाएगा। वास्तविक किसानों से खरीदी सुनिश्चित करने के लिए बायोमेट्रिक आधारित व्यवस्था अपनाई जाएगी।

किसानों को धान बेचने में सुविधा देने के लिए प्रदेश में 360 नए उपार्जन केंद्र शुरू किए जा रहे हैं। इसके बाद राज्य में कुल 3100 केंद्रों के माध्यम से धान खरीदी होगी। कैबिनेट ने समितियों में खरीदी के लिए समुचित व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए हैं।

इसके अलावा, खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 और 2025-26 में अतिशेष धान का नीलामी के माध्यम से निराकरण करने संबंधी मंत्रिमंडलीय उपसमिति के निर्णय का अनुसमर्थन किया गया है।

एम-ऊर्जा योजना के तहत बिजली बिल में राहत जारी

कैबिनेट ने मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत जन अभियान (एम-ऊर्जा) योजना के अंतर्गत घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को 200 यूनिट तक बिजली बिल में मिल रही रियायत जारी रखने का निर्णय लिया है।

इसके साथ ही, योजना का लाभ लेने के लिए 400 यूनिट तक मासिक बिजली खपत की पात्रता अवधि 30 सितंबर 2026 से बढ़ाकर 31 मार्च 2027 तक कर दी गई है। इस फैसले से लगभग 7.25 लाख घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को योजना के तहत रियायत का लाभ मिलता रहेगा।

सड़क निर्माण के ठेकेदारों को डामर की बढ़ी कीमतों से राहत

बिटुमिन यानी डामर की कीमतों में असाधारण वृद्धि को देखते हुए कैबिनेट ने सड़क निर्माण, नवीनीकरण और रखरखाव से जुड़े ठेकेदारों को मूल्य राहत देने का निर्णय लिया है।



छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण के अंतर्गत संचालित कार्यों के लिए 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक ठेकेदारों द्वारा वास्तव में खरीदी और उपयोग की गई बिटुमिन की मात्रा पर राज्य सरकार बजट से 130.88 करोड़ रुपये का अनुदान देगी। वहीं, लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत राज्य वित्तपोषित सड़क निर्माण, नवीनीकरण और रखरखाव के उन अनुबंधों में भी राहत दी जाएगी, जिनकी निविदाएं 1 अप्रैल 2026 से पहले प्राप्त हुई थीं। इन कार्यों में 15 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2026 तक खरीदे और इस्तेमाल किए गए बिटुमिन पर मूल्य राहत दी जाएगी। इस पर लगभग 70 करोड़ से 100 करोड़ रुपये तक अतिरिक्त व्यय का अनुमान है। इस निर्णय से लंबित डामर सड़क निर्माण कार्यों को गति देने और उन्हें निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

सरकारी कर्मचारियों और उनके आश्रितों को मिलेगा कैशलेस इलाज

मंत्रिपरिषद ने राज्य के शासकीय सेवकों और उनके आश्रित परिवारजनों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

नई व्यवस्था के तहत सूचीबद्ध अस्पतालों में पात्र कर्मचारियों और उनके आश्रितों को कैशलेस उपचार मिलेगा। उन्हें इलाज के समय चिकित्सा खर्च का भुगतान स्वयं करने और बाद में प्रतिपूर्ति के लिए लंबी प्रक्रिया से गुजरने की जरूरत नहीं होगी।

चिकित्सा सुविधा के लिए पूर्व-अनुमोदन और दावों की प्रक्रिया ऑनलाइन तथा डिजिटल माध्यम से की जाएगी। इस व्यवस्था से गंभीर बीमारी और आपातकाल की स्थिति में कर्मचारियों और उनके परिवारों को समय पर उपचार मिलने के साथ आर्थिक राहत भी मिलेगी।

मुख्यमंत्री अधोसंरचना मिशन-2026 को मंजूरी, पांच साल में 500 करोड़ का प्रावधान

प्रदेश में अधोसंरचना विकास की योजना, परियोजना तैयारी, निर्माण गुणवत्ता, निगरानी और रखरखाव की व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए मुख्यमंत्री अधोसंरचना मिशन-2026 के प्रारूप को मंजूरी दी गई है।

यह मिशन वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक पांच वर्षों के लिए संचालित होगा। इसके लिए कुल 500 करोड़ रुपये का प्रावधान प्रस्तावित है, यानी हर साल 100 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना है।

लोक निर्माण विभाग मिशन का नोडल विभाग होगा, जबकि छत्तीसगढ़ रोड एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (CGRIDCL) क्रियान्वयन एजेंसी के रूप में काम करेगी।

मुख्यमंत्री पर्यटन विकास मिशन को मंजूरी, पांच साल में 500 करोड़ का प्रस्ताव

प्रदेश में पर्यटन के समग्र विकास के लिए मुख्यमंत्री पर्यटन विकास मिशन को मंजूरी दी गई है। 'पर्यटन से समृद्धि' के उद्देश्य के साथ यह मिशन अगले पांच वर्षों तक संचालित किया जाएगा। इसके लिए लगभग 500 करोड़ रुपये का प्रावधान प्रस्तावित है।

मिशन के तहत पर्यटन स्थलों पर बेहतर अधोसंरचना, कनेक्टिविटी, सुरक्षा और स्वच्छता सुविधाएं विकसित की जाएंगी। साथ ही होमस्टे, निजी निवेश और पर्यटन उद्यमिता को बढ़ावा दिया जाएगा।

इस पहल से स्थानीय युवाओं, महिलाओं और स्व-सहायता समूहों के लिए रोजगार तथा स्वरोजगार के अवसर पैदा करने और छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान दिलाने का लक्ष्य रखा गया है।

राजनीतिक आंदोलनों से जुड़े नौ प्रकरण वापस लेने की कार्रवाई

मंत्रिपरिषद ने विशुद्ध रूप से राजनीतिक आंदोलनों से संबंधित नौ प्रकरणों को जनहित में न्यायालय से वापस लेने के लिए आगे की कार्रवाई की अनुमति दी है। यह निर्णय 30 सितंबर 2026 को हुई उपसमिति की बैठक में की गई अनुशंसा के अनुसार लिया गया है।

नगर पंचायत कूंरा का नाम बदलकर कुंवरगढ़ करने की मंजूरी

कैबिनेट ने रायपुर जिले की नगर पंचायत कूंरा का नाम बदलकर कुंवरगढ़ करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। कुंवरगढ़ को छत्तीसगढ़ के 36 गढ़ों में शामिल बताया गया है। यह स्थान अपने प्राचीन मंदिरों, ऐतिहासिक धरोहरों और तालाबों के लिए जाना जाता है।

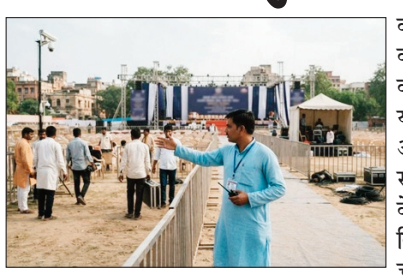
स्थानीय नागरिक लंबे समय से नगर पंचायत को उसकी ऐतिहासिक पहचान के अनुरूप कुंवरगढ़ नाम देने की मांग कर रहे थे। मंत्रिपरिषद ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

जब तक भाजपा कार्यकर्ता जमीन पर सक्रिय हैं पीएम को कोई हिला नहीं सकता:नितिन नवीन

पुणे (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने चिम्बेल में भाजपा गोवा की प्रदेश कार्यसमिति बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। नितिन नवीन ने कहा कि जब तक भाजपा का कार्यकर्ता उत्साह और ऊर्जा के साथ जमीन पर संघर्ष करेगा, तब तक कोई मोदी जी को हिला नहीं सकता। उन्होंने कहा कि आपका उत्साह और चेहरे का विश्वास मेरी ताकत को बढ़ा रहा है। मुझे आश्वस्त कर रहा है कि गोवा में 2027 में हर बूथ पर कमल खिलेगा। गोवा की टीम ने तय कर लिया है कि इस बार सिर्फ सरकार नहीं बनानी है, बल्कि एक ऐसी सरकार बनानी है, जो प्रमोद जी के नेतृत्व में भाजपा द्वारा निरंतर बनाई गई विकास की गति को बरकरार रखते हुए विकसित गोवा का मार्ग प्रशस्त करे।

कांग्रेस की रैली के लिए दिल्ली पुलिस ने तय की शर्तें

नई दिल्ली ■ एजेंसी



दिल्ली पुलिस ने 1 नवंबर को रामलीला मैदान में होने वाली कांग्रेस की रैली के लिए 'नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' जारी कर दिया है। कानून-व्यवस्था के नजरिए से दी गई यह मंजूरी, जमीन के मालिक प्राधिकरण (लैंड अथॉरिटी) से पूर्व अनुमति लेने और कई शर्तों का पालन करने पर निर्भर है। इन शर्तों में रैली का काम शाम 5 बजे तक खत्म करना और कार्यक्रम स्थल पर रात भर रुकने पर रोक लगाना शामिल है। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस कार्यालय से मनीष चतरथ को भेजे गए एक पत्र में यह पुष्टि की गई है कि 25 अक्टूबर से 3 नवंबर तक रामलीला मैदान बुक करने के अनुरोध पर विचार किया गया है। मनीष चतरथ पार्टी मुख्यालय के प्रभारी हैं और कांग्रेस वर्किंग कमिटी के स्थायी आमंत्रित सदस्य हैं। यह रैली 1 नवंबर को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जानी है। आयोजकों को पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

तेज रफ्तार कार का कहर: युवती और महिला को मारी टक्कर फिर साइकिल को दूर तक घसीटा

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है, जहां कार ने साइकिल सवार युवती और पैदल जा रही महिला को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में दोनों घायल हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कार साइकिल को घसीटते हुए नजर आ रही है। यह हादसा मेनोनाइट चर्च के सामने जल संसाधन कार्यालय के पास मंगलवार सुबह करीब 11 बजे का बताया जा रहा है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि साइकिल सवार रंजिता ताम्रकार दूर जा गिरी, जिसके सिर में गंभीर चोट आई है, जबकि करुणा यादव के पैर में फ्रैक्चर हुआ है। दोनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। फिलहाल दोनों की हालत स्थिर बताई जा रही है।

75 दिनों तक चलने वाले बस्तर दशहरा की अंतिम रस्म नम आंखों से भक्तों ने मावली माता की डोली को दी विदाई



जगदलपुर। बस्तर की आस्था, परंपरा और संस्कृति का प्रतीक विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा आज अपनी अंतिम रस्म के साथ संपन्न हो गया। 75 दिनों तक चलने वाले इस ऐतिहासिक पर्व के समापन पर जगदलपुर के गीदम रोड स्थित जिया डेरा मंदिर में मावली माता की डोली विदाई की रस्म विधि-विधान से अदा की गई। पूजा-अर्चना, विशाल कलश यात्रा और गाजे-बाजे के बीच माता की डोली को विदाई दी गई। इस भावुक पल का साक्षी बनने बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और नम आंखों से माता को विदा किया।

बस्तर दशहरा की अंतिम रस्म डोली विदाई के साथ ही आज 75 दिनों तक चलने वाले इस ऐतिहासिक पर्व का समापन हो गया। परंपरा के अनुसार, बस्तर के राजा अन्नम देव के समय से ही मावली माता को विदाई देने की रस्म निभाई जाती रही है। पहले डोली विदाई की रस्म बेहद सादगी से होती थी और इसकी जानकारी भी बहुत कम लोगों को हो पाती थी, लेकिन वर्ष 2006 में तत्कालीन कमिश्नर जीएस मिश्रा ने इस परंपरा को भव्य रूप देने की पहल की। उनका तर्क था कि जब मावली माता का बस्तर आगमन इतनी धूमधाम से होता है तो उनकी विदाई भी उसी भव्यता के साथ होनी चाहिए।

चक्रवात 'अर्नब' का कहर : छत्तीसगढ़ में भारी बारिश की चेतावनी, दो जिलों के स्कूलों में छुट्टी

रायपुर ■ दैनन्दिनी



भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने चक्रवात 'अर्नब' के प्रभाव से छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में 28 और 29 अक्टूबर को भारी से अति भारी वर्षा, गरज-चमक एवं तेज हवाएं चलने की संभावना जताई है। छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए राजनांदगांव और मोहला-मानपुर जिले के सभी स्कूलों में डीईओ ने 28 अक्टूबर को छुट्टी दे दी है। वहीं चक्रवात को देखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधा के मद्देनजर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों तक आवश्यक सावधानियों की जानकारी व्यापक रूप से पहुंचाई जा रही है। इसके लिए स्टेशनों पर उद्घोषणा प्रणाली, सूचना एवं डिस्प्ले बोर्ड, डिजिटल स्क्रीन, आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तथा अन्य संचार माध्यमों का उपयोग किया जा रहा है।

संभावित प्रतिकूल मौसम को देखते हुए यात्रियों से ये सावधानियां बरतने की अपील की गई है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि संभावित खराब मौसम के दौरान सतर्क रहें। रेलवे की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। अपनी यात्रा को सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनाने के लिए आवश्यक सावधानियां बरतें।

खरगे ने गलती की...

पीएम मोदी पर 'बाप' वाली टिप्पणी को लेकर कांग्रेस में ही शुरू हो गया विरोध

मुंबई ■ एजेंसी



महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को ऐसा बयान नहीं देना चाहिए था और उन्हें माफी मांगनी चाहिए। पृथ्वीराज चव्हाण ने आगे कहा कि हर राजनीतिक दल को अपनी भाषा में मर्यादा बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने भाजपा की तीखी और डींगें हांकने वाली बयानबाजी के मुद्दे पर भी बात की। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब कांग्रेस ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रही है और अपने 'वोट बचाओ' अभियान के तहत पूरे गुजरात में जिला स्तर पर बैठकें कर रही है। पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपनी विवादित टिप्पणी करके एक "गलती" की है। उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल के नेताओं को कभी भी मर्यादित भाषा का त्याग नहीं करना चाहिए। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हालांकि खड़गे की टिप्पणी अनुचित थी, लेकिन अतीत में बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं ने भी सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ बयान दिए हैं। रविवार को पटना में एक कार्यक्रम के दौरान, खड़गे ने दर्शकों में से एक व्यक्ति की बात का जवाब देते हुए "मोदी का बाप भी जाएगा" कहकर विवाद खड़ा कर दिया। गौरतलब है कि खड़गे ने यह बात बिहार के पहले मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में कही।

चलती ट्रक बनी आग का गोला

चालक-परिचालक ने कूदकर बचाई जान

बलौदा बाजार. बलौदा बाजार भाटापारा जिले में नेशनल हाइवे 130 पर चलती ट्रक में आग लग गई. ट्रक के चालक और परिचालक ने कूदकर अपनी जान बचाई. फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया. घटना सिगमा थाना क्षेत्र के दामाखेड़ा के पास ओवरब्रिज की है. जानकारी के मुताबिक, मंगलवार तड़के (करीब 4:30 बजे) रायपुर-बिलासपुर नेशनल हाइवे 130 पर दामाखेड़ा गांव के पास अचानक चलती ट्रक में आग लग गई. जान बचाने के लिए चालक और परिचालक ने सूझबूझ दिखाते हुए वाहन से छलांग लगा दी. देखते ही देखते ट्रक में आग बढ़ती चली गई.

घटना की जानकारी पर सिमगा पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची. ट्रक में लगी आग को बुझा लिया गया. फिलहाल क्षतिग्रस्त वाहन को मार्ग से हटाने का प्रयास किया जा रहा है. फिलहाल आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं है. हालांकि ट्रक में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है. पुलिस हादसे के कारणों की तलाश में जुट गई है. बता दें कि एक दिन पहले ही इस मार्ग पर सुबह 5:30 बजे यात्री बस खड़े ट्रक से टकराई थी. हादसे में ड्राइवर-हेल्पर समेत 5 लोगों की मौत हो गई।

हादसा या साजिश? शनाया कपूर की 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' में होगा रहस्यमयी मौत का खेल? ट्रेलर ने खींचा ध्यान

मुंबई (एजेंसी)। शनाया कपूर ने 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' में डबल रोल निभाया है, जिससे इस पॉपुलर फ्रेंचाइजी में रहस्य और रोमांच का नया ट्विस्ट देखने को मिल सकता है। 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर - आफ्टर डार्क' का ट्रेलर रिलीज होते ही छा गया है, जिसका हर सीन बहुत ही शानदार है। आलिया भट्ट, वरुण धवन और सिद्धार्थ मल्होत्रा स्टारर ओरिजनल 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' ने बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की और कैंपस ग्लैमर, रोमांस और प्रतिद्वंद्विता के इर्द-गिर्द घूमती थी। नई कहानी हत्या, रहस्य और रहस्य की दुनिया पर बनी है।

स्टूडेंट ऑफ द ईयरः आफ्टर डार्क का ट्रेलर

शनाया कपूर की 'स्टूडेंट ऑफ द ईयरः आफ्टर डार्क' ट्रेलर मर्डर मिस्ट्री की कहानी की एक खौफनाक झलक दिखाती है। ट्रेलर की शुरुआत बाराखाली झील में आयशा मलिक के शव की चौंकाने वाली खोज से होती है, जहां वह डूबी हुई और जमी हुई पाई जाती है। शनाया ने आयशा की जुड़वां बहन अदिति का किरदार निभाया है, जो अपनी बहन की मौत के पीछे की सच्चाई को उजागर करने के मिशन पर निकलती है। क्या आयशा की हत्या हुई थी, या ये एक हादसा था? सच का पता लगाने के लिए अदिति अपनी बहन के स्कूल सेंट टेरेसा पहुंचती है ताकि उसकी मौत से जुड़े रहस्यों को सुलझा सके। हाल ही में शनाया कपूर ने आदर्श गौरव के साथ 'तू या मैं' में नजर आई थीं, जो हिट साबित हुई।



शनाया कपूर सुलझाएंगी रहस्यमयी मौत की गुत्थी

'स्टूडेंट ऑफ द ईयरः आफ्टर डार्क' में शनाया कपूर डबल रोल में है। वहीं, जांच शुरू करने पर अदिति का सामना आयशा के करीबी लोगों से होता है, जिनमें उसकी सबसे अच्छी दोस्त, रूममेट, बॉयफ्रेंड और एक ऐसा प्रेमी शामिल है, जिसे उसने ठुकरा दिया था। हर किरदार के पास कोई अहम सुराग हो सकता है, लेकिन शनाया का किरदार जैसे-जैसे गहराई में जाता है, उसे एहसास होता है कि स्कूल के पीछे कुछ और ही राज छिपे हैं। अदिति की खोज उसे एक छिपे हुए ब्रोच और संस्थान के अंदर चल रही एक गुप्त प्रतियोगिता तक ले जाती है।

जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, वैसे-वैसे और भी छात्र इस गुप्त प्रतियोगिता का हिस्सा बन जाते हैं। वे नेटफ्लिक्स की दक्षिण कोरियाई सर्वाइवल थ्रिलर सीरीज 'स्क्विड गेम' जैसे कपड़े पहने नजर आते हैं, जिसमें प्रतिभागियों को जानलेवा चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इस बीच अदिति की जांच से धोखे, दबे हुए राज और खतरनाक खुलासों की एक ऐसी दुनिया सामने आती है जिसके बारे में किसी को पता नहीं था।

'स्टूडेंट ऑफ द ईयरः आफ्टर डार्क' कब होगी रिलीज

इस सीरीज में अभिनव सिंह, दिविक शर्मा, मान्या ग्रोवर, दीया दमानी, आदि मलिक, शीबा चड्ढा और विवेक गोम्बर भी नजर आएंगे। धर्माटिक एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित और रीमा माया द्वारा निर्देशित यह सीरीज 13 नवंबर से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

टाइगर श्रॉफ पर हमले के केस में बड़ा एक्शन आरोपियों पर लगा मकोका, जांच में जुटी पुलिस



मुंबई (एजेंसी)। टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर गोलीबारी की घटना के कुछ हफ्ते बाद अब इस मामले में महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट (MCOCA), 1999 की धाराएं भी जोड़ दी गई हैं। राहत की बात यह है कि एक्टर इस हमले में बाल-बाल बच गए और उन्हें कोई चोट नहीं आई। इससे पुलिस ने अपडेट दी थी कि टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले में 10 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। पुलिस के अनुसार एक्टर खेल कर लौट रहे थे तभी यह गोलीबारी हुई। इस घटना में उनका ड्राइवर घायल हो गया और बताया जा रहा है कि घायलों में एक ऑटो रिक्शा चालक भी शामिल है, जिसका फिलहाल इलाज चल रहा है।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले में MCOCA लागू

मुंबई पुलिस के आधिकारिक बयान के अनुसार DCB CID CR No. 143/26 मामले में महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (MCOCA), 1999 लागू किया गया है। यह मामला 19 अक्टूबर 2026 को भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 109(1), 3(5) और शस्त्र अधिनियम की धारा 3 व 25 के तहत दर्ज किया गया था। 27 अक्टूबर 2026 को सक्षम प्राधिकारी से MCOCA की धारा 23(1)(a) के तहत अनुमति मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई। इसके बाद सभी आरोपियों के खिलाफ MCOCA की धारा 3(1)(ii), 3(2) और 3(4) भी जोड़ दी गई हैं। पुलिस ने बताया कि मामले की आगे की जांच जारी है।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले पर मंत्री प्रताप सरनाईक का बयान

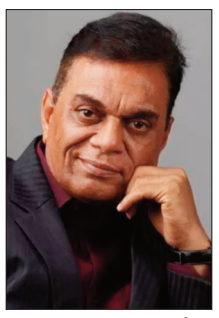
इस बीच महाराष्ट्र के मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि इस घटना को देखते हुए बाइक टैक्सी से जुड़े नियमों को और सख्त किया जाएगा। आरोपी पहले रैपिडो (Rapido) ड्राइवर के तौर पर काम कर चुका था। हालांकि, गोलीबारी के समय आरोपी रैपिडो ड्राइवर के तौर पर काम नहीं कर रहा था। मंत्री ने बताया कि रैपिडो के अनुसार वह पहले कंपनी के साथ ड्राइवर के तौर पर काम कर चुका था, लेकिन घटना के समय वह कंपनी का कर्मचारी नहीं था। कंपनी ने इस संबंध में एक पत्र भी सौंपा है। उन्होंने आगे यह भी कहा, 'आज ट्रांसपोर्ट कमिश्नर के साथ हमारी बैठक हुई। इस बैठक में बाइक टैक्सी को लेकर नियमों को और सख्त करने पर चर्चा हुई। साथ ही हर साल ट्रांसपोर्ट लाइसेंस का वेरिफिकेशन किया जाना चाहिए, इस मुद्दे पर भी चर्चा की गई।'

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस

पुलिस ने बताया कि 18 अक्टूबर की शाम को मुंबई के जुहू इलाके में अज्ञात बंदूकधारियों ने बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर गोलीबारी की, जिसमें उनका ड्राइवर और दो अन्य लोग घायल हो गए। यह घटना पश्चिमी उपनगर में जुहू पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले पुष्पा पार्क के पास हुई। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि गोलीबारी से पहले क्या-क्या हुआ था। टाइगर श्रॉफ सुरक्षित हैं और इस घटना में उन्हें गोली नहीं लगी है।

CID के प्रोड्यूसर बीपी सिंह का निधन, 77 की उम्र में हार्ट अटैक से गई जान, अशोक पंडित ने जताया दुख

मुंबई (एजेंसी)। 'CID' के प्रोड्यूसर बृजेंद्र पाल सिंह, जिन्हें बीपी सिंह के नाम से जाना जाता है। उनका मंगलवार, 27 अक्टूबर की सुबह को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। बीपी सिंह ने लोकप्रिय हॉरर सीरीज 'आहट' का भी निर्माण किया था। फिल्म निर्माता अशोक पंडित ने सोशल मीडिया पर यह खबर शेयर की और भारतीय टेलीविजन में उनके योगदान के लिए इस अनुभवी निर्माता-निर्देशक को श्रद्धांजलि दी।



बीपी सिंह का अंतिम संस्कार कब होगा

बीपी सिंह का अंतिम संस्कार 28 अक्टूबर को किया जाएगा। परिवार की ओर से इस बारे में और जानकारी दी जानी बाकी है। बीपी सिंह ने कई दशकों तक टेलीविजन मनोरंजन को आकार देने में अहम भूमिका निभाई। 'CID' के अलावा, 'आहट' में उनके काम ने उन्हें दर्शकों और इंडस्ट्री के लोगों के बीच काफी पहचान दिलाई।

इंस्टाग्राम पर उनके निधन की जानकारी देते हुए अशोक पंडित ने बीपी सिंह को एक प्रतिभाशाली फिल्म निर्माता बताया, जिनके शो ने पूरे देश के दर्शकों को बांधे रखा। उन्होंने 'इंडियन फिल्म एंड टेलीविजन डायरेक्टर्स एसोसिएशन' (IFTDA) के अध्यक्ष के रूप में बीपी सिंह के कार्यकाल के दौरान उनके साथ अपने जुड़ाव को भी याद किया। अपनी श्रद्धांजलि में पंडित ने लिखा, 'आज सुबह तड़के दिल का दौरा पड़ने से दिग्गज निर्माता-निर्देशक बीपी सिंह जी के निधन की खबर सुनकर बेहद दुख हुआ। वह एक शानदार फिल्ममेकर थे, जिन्होंने अपने क्राइम शो 'CID' और 'आहट' के जरिए पूरे देश के दर्शकों का दिल जीता। उनका काम आज भी प्रेरणा देता है और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। मुझे उस समय उनके बेहद करीबी सहयोगी के रूप में काम करने का सौभाग्य मिला, जब वह इफ्टडा (IFTDA) के अध्यक्ष थे। वह एक बेहतरीन इंसान और मेरे प्रिय मित्र थे।

'लीव इंडिया' नोटिस मामले में इमरान खान को बॉम्बे हाई कोर्ट से राहत, 2 नवंबर तक मिली अंतरिम सुरक्षा

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता इमरान खान, जिन्हें मुंबई पुलिस से 28 अक्टूबर, 2026 तक भारत छोड़ने का नोटिस मिला था। उन्होंने इस नोटिस के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। अब 'लीव इंडिया' नोटिस मामले में मंगलवार, 27 अक्टूबर को कोर्ट ने उन्हें अंतरिम राहत दी, क्योंकि उनकी सुनवाई की तारीख सोमवार, 2 नवंबर, 2026 तक के लिए टाल दी गई है। इसलिए, अभिनेता इमरान को तब तक भारत छोड़ने की जरूरत नहीं है। केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (ASG) ने अदालत को भरोसा दिलाया कि अगली सुनवाई तक उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।



बॉम्बे हाई कोर्ट ने मंगलवार को निर्देश दिया कि फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (FRRO) के 14 अक्टूबर के उस नोटिस पर 2 नवंबर तक रोक लगा दी जाए, जिसमें अभिनेता इमरान खान को 28 अक्टूबर तक भारत छोड़ने के लिए कहा गया था। मुख्य न्यायाधीश महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना की खंडपीठ ने आज इस मामले पर संक्षिप्त सुनवाई की। इस दौरान केंद्र सरकार के वकील ने कोर्ट से आग्रह किया कि मामले की सुनवाई सोमवार, 2 नवंबर तक के लिए टाल दी जाए। केंद्र की ओर से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (ASG) ने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि तब तक इमरान खान के खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई नहीं की जाएगी। ASG ने कहा, 'आप इसे सोमवार के लिए रख सकते हैं।'

इमरान खान के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता वेंकटेश धोंड ने कहा कि FRRO के आदेश के अनुसार एक्टर को अगले दिन ही भारत छोड़ना होगा।

सेहत

ब्रेन कैंसर के इन शुरुआती लक्षणों को लोग समझ लेते हैं तनाव, कहीं आप भी तो नहीं कर रहे नजरअंदाज?

ब्रेन कैंसर एक गंभीर और जानलेवा बीमारी है। अगर इसके लक्षणों की बात करें, तो सिर दर्द, थकान और ध्यान केंद्रित करने में परेशानी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है और यहीं पर लोगों से भूल हो जाती है। गुरुग्राम स्थित आर्टेमिस हॉस्पिटल्स में न्यूरोसर्जरी और सीएनएस रेडियोसर्जरी के चेयरपर्सन और साइबरनाइफ सेंटर के सह-प्रमुख डॉ. आदित्य गुप्ता कहते हैं कि ज़्यादातर लोग इसे तनाव या काम के दबाव का असर मान लेते हैं। क्योंकि तनाव के कारण भी सिर दर्द और थकान जैसी परेशानी होती है। लेकिन कई बार यह लक्षण ब्रेन कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का शुरुआती संकेत हो सकता है। तो अगर ऐसे में यह समस्याएं लगातार बढ़ती जाए या बनी रहे, तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए।

ब्रेन कैंसर की शुरुआती लक्षण क्या होते हैं?

डॉ. आदित्य गुप्ता कहते हैं कि ब्रेन कैंसर की शुरुआती लक्षणों में लगातार सुबह के समय में सिर दर्द होता है, बार-बार उल्टी होती है, धुंधला दिखाई देता है और शरीर के किसी हिस्से में कमजोरी या सुन्नपन संतुलन बिगड़ना और



चलने में कठिनाई भी शामिल होती है। कुछ लोगों में याददाश्त कमजोर होना, बोलने में दिक्कत दौरे पड़ने जैसे भी संकेत हो सकते हैं। यह सारे लक्षण तनाव, माइग्रेन और कई बार नींद की कमी से मिलते जुलते लगते हैं। यही वजह है कि लोग इसे उतना गंभीर नहीं लेते हैं और डॉक्टर के पास जाने में देरी करते हैं। लेकिन ध्यान रखने वाली बात यह है कि अगर यह बार बार हो, यानी सर दर्द बार-बार हो और नॉर्मल ओवर द काउंटर दावों से ठीक ना हो, समय के साथ बढ़ता जाए और साथ में उल्टी-धुंधला दिखने जैसे लक्षण नजर आए, तो तुरंत न्यूरोलॉजिस्ट से सलाह लेनी चाहिए।

हालांकि, डॉक्टर यह भी कहते हैं की ध्यान रखें कि हर सिर दर्द, थकान ब्रेन कैंसर के संकेत नहीं होते हैं। ज्यादातर यह नॉर्मल होते हैं, फिर भी लगातार बने रहने वाले असामान्य लक्षणों की अनदेखी करना सही नहीं है। समय पर सही इलाज से कई मामलों में जान बचाई गई है। बेहतर होगा कि कोई भी असामान्य बदलाव को नजरअंदाज करने की बजाय डॉक्टर की सलाह लें।

खाने के बाद टहलना पेट के लिए माना गया है सबसे अच्छा, गैस, पेट फूलने और आंतों के लिए है फायदेमंद

रोजाना वॉक करने से शरीर स्वस्थ रहता है, वजन कम होता है और आप कहीं ज्यादा एक्टिव महसूस करते हैं। लेकिन खाना खाने के बाद की गई वॉक पेट और आंतों के लिए बहुत अच्छी मानी जाती है। गट हेल्थ में सुधार के लिए कुछ लोग महंगे सप्लीमेंट्स, डिटॉक्स ड्रिंक्स और कॉम्प्लेक्स लाइफस्टाइल को अपनाते हैं, जिसे लंबे समय तक चला पाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉक्टर सौरभ सेठी ने एक ऐसी आदत के बारे में बताया है जो आपकी गट हेल्थ में तेजी से सुधार लाती है। ये आदत है रात में खाना खाने के बाद कुछ देर टहलना।

इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वो हर दिन शाम के भोजन के बाद टहलना जरूरी मानते हैं। आपकी ये छोटी सी आदत पाचन, ब्लड शुगर के स्तर और पूरे स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती है।

डॉक्टर सेठी के अनुसार, रात के खाने के बाद टहलने का एक सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे पाचन क्रिया तेज होती है। आसान भाषा में कहें तो, टहलने से पाचन तंत्र की मांसपेशियां उत्तेजित होती हैं, जिससे खाना पेट और आंतों से अधिक कुशलता से गुजरता है। नतीजा लोगों को कम सूजन, कम एसिड रिफ्लक्स और कम कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

गैस और भारीपन में आराम

कई लोगों को भारी भोजन करने के बाद असहजता महसूस होती है, लेकिन हल्की-फुल्की वॉक भी पाचन तंत्र को अपना काम अधिक प्रभावी ढंग से करने में मदद कर सकती है। डॉक्टर सेठी बताते हैं कि आंतों की गतिशीलता का यह प्राकृतिक उत्तेजना ही एक कारण है कि खाने के बाद की सैर पाचन क्रिया में इतना आराम दे सकती है। आपकी ये एक आसान सी आदत शुगर स्पाइक को कम करती है। रात के खाने के बाद टहलने से शरीर में ब्लड शुगर लेवल अचानक से नहीं बढ़ता है। खाने के बाद केवल 10 मिनट की वॉक भी रक्त शर्करा के स्तर में होने वाली उस अचानक बढ़ोत्तरी को काफी हद तक कम कर सकती है जो आमतौर पर खाने के बाद होती है।

आपके पैरों में छिपा है बीमारियों का राज

आपके शरीर के अंग आंख, दिमाग, कान, थायराइड, पेट, दिल-फेफड़ें, पैंक्रियाज़, हड्डियां-किडनी, आंत सबका कनेक्शन आपके पैरों के तलवों से ही जुड़ा है। यानि तलवों में अलग अलग ऑर्गन के एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स हैं। तलवों में एक दर्द और होता है जिसे प्लांटर फेशिआइटिस कहा जाता है। ये पैर के निचले हिस्से में कुशन वाला मोटा रबर बैंड जैसा लचीला स्ट्रक्चर होता है। जो चलते-दौड़ते वक्त शरीर के प्रेशर को झेलकर शॉक एब्जॉर्बर की तरह काम करता है और जब इसमें तनाव बढ़ जाता है या सूजन आ जाती है। तलवों में-एड़ियों में बेइंतहा दर्द महसूस होता है।

प्लांटर फेशिआइटिस दर्द

ये तनाव-सूजन आने की वजह बनते हैं। हाई यूरिक एसिड-डायबिटीज़ हाइपोथायराइड और मोटापा या किसी तरह का फ्रैक्चर फ्लैट फुट वालों को भी ये दर्द परेशान करता है। इसके अलावा कई बार देर तक एक ही पोज़ीशन में बैठे रहने या पैर लटकाने से वो सुन्न भी हो जाते हैं।

इसकी वजह नर्व्स की कमज़ोरी हो सकती है। जिसकी वजह से शरीर के जिस हिस्से में ब्लड सप्लाई कम हो जाती है वो सुन्न पड़ जाता है। लेकिन बार बार अगर ऐसा हो रहा है तो ये बॉडी में आयरन डेफिशियेंसी का भी सिग्नल हो सकता है। ऐसे में शरीर में होने वाले 100 तरह के दर्द को दूर करने के लिए आयुर्वेद और योग का सहारा ले सकते हैं। इससे आपके शरीर के दर्द कम हो जाते हैं। स्वामी रामदेव से जानिए पैरों के दर्द को दूर करने के क्या उपाय हैं?

लाइफस्टाइल से होने वाली बीमारियां

करीब 35% भारतीयों को लाइफस्टाइल के रोग परेशान कर रहे हैं। जिसमें हर 10 में से 1 एडल्ट को हाइपो-थायराड है। 3 में से 1 शुगर पेशेंट को थायराइड की समस्या है। 23% भारतीय मोटापे के शिकार हैं और 40% लोगों के पेट पर एक्सेस फैट जमा है। खराब हो रही लाइफस्टाइल से लोगों में बीपी-शुगर, हाई कोलेस्ट्रॉल, ओबेसिटी, थायराइड, लंग्स प्रॉब्लम, इनसोम्निया, आर्थराइटिस और डेफिशियेंसी से जुड़ी समस्याएं हो रही हैं। **(एजेंसी)**

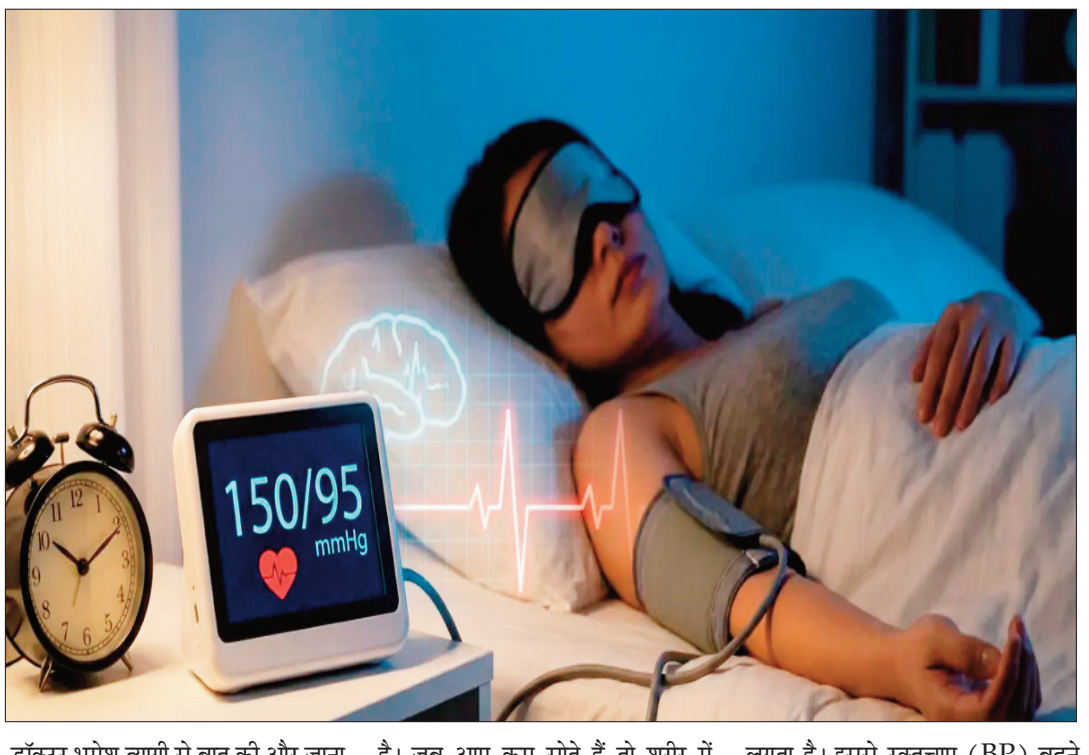
क्या कम नींद लेने से हाई ब्लड प्रेशर का खतरा बढ़ता है, कैसे पहचानें कि आप कम सो रहे हैं

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए जितना जरूरी खाना है उतनी ही नींद भी है। अगर आप हेल्दी खाना खाते हैं लेकिन भरपूर और अच्छी नींद नहीं लेते तो इसका सेहत पर बुरा असर होगा। खासतौर से युवाओं में नींद की कमी के कारण हाई ब्लड प्रेशर की समस्या तेजी से बढ़ रही है। इसलिए नींद से जुड़ी आदतें कोई मामूली बात नहीं हैं, इसका असर दिमाग, शरीर और मन पर पड़ता है। अच्छी नींद आपको फिजिकली और मेंटली स्वस्थ और तरोताजा बनाने में मदद करती है। इससे आपके शरीर में ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल रहता है।

हालांकि सिर्फ अच्छी नींद ही एक पहलू नहीं है। इसमें आपकी सोने की दिनचर्या, सोने से पहले आप क्या खाते या पीते हैं, आपकी नींद कितनी देर की और कैसी है ये सब भी मायने रखता है। यहां तक कि खर्राटे लेना या रात में बार-बार जागना जैसी आदतें भी नींद को प्रभावित करती हैं। लगातार खराब नींद से हाई ब्लड प्रेशर का खतरा काफी बढ़ जाता है।

नींद और बीपी का कनेक्शन

इस बारे में हमने शारदा हॉस्पिटल के इंटरनल मेडिसिन डिपार्टमेंट के प्रोफेसर डॉक्टर भुमेश त्यागी से बात की और जाना कि नींद कैसे ब्लड प्रेशर पर असर डालती है। जब आप कम सोते हैं तो शरीर में तनाव और हार्मोन का संतुलन बिगड़ने लगता है। इससे रक्तचाप (BP) बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है। वहीं तनाव हार्मोन



बढ़ने से दिल की धड़कन तेज होने लगती है और ब्लड प्रेशर हाई हो सकता है।

क्या कम नींद से ब्लड प्रेशर बढ़ने का खतरा रहता है?

डॉक्टर ने बताया कि अगर आपको पर्याप्त नींद नहीं मिलती या नींद की गुणवत्ता अच्छी नहीं होती, तो आपका ब्लड प्रेशर इससे बढ़ सकता है। अगर आप हाई ब्लड प्रेशर की मरीज हैं और अच्छी नींद नहीं ले रहे हैं तो इससे चुपचाप और धीरे-धीरे समय के साथ हार्मोन, हृदय गति और रक्त वाहिकाओं के कार्य को प्रभावित कर सकता है।

नींद पूरी न होने के लक्षण

रात में नींद पूरी नहीं होने पर शरीर संकेत देने लगता है। नींद की कमी होने पर सुबह आपको उठने के बाद आलस रहेगा और सुस्ती महसूस होगी। इसके अलावा अगर आपको सुबह जागने के बाद आंखों में भारीपन, आंखें लाल होना या सिरदर्द रहता है तो समझ लें कि नींद अच्छी नहीं है।

रातभर सोने से बाद भी शरीर रिलेक्स नहीं है और सुबह उठने के बाद बेचैनी जैसी महसूस हो रही है तो समझ लें नींद अच्छी नहीं आई।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक
दैनन्दिनी.

बुधवार 28 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

सड़क सुरक्षा पर सख्ती, 10 माह में 892 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह की अध्यक्षता में आज जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि यातायात नियमों के उल्लंघन पर जनवरी से अक्टूबर माह तक 892 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। एसएसपी श्री रजनेश सिंह ने स्पष्ट किया कि निलंबित लाइसेंस के बावजूद वाहन चलाते पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में सड़क सुरक्षा की दिशा में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी गई। बताया गया कि पंधी मोड़ पर सीमेंट कांक्रीट से सड़क चौड़ीकरण का कार्य कराया गया है। इससे मोड़ पर दृश्यता बेहतर होने के साथ वाहनों का आवागमन अधिक सुरक्षित एवं सुगम होगा। इसी प्रकार लगरा मोड़ एवं ग्राम जांजी में भी शीघ्र मरम्मत कार्य शुरू किया जाएगा। इन कार्यों से यातायात व्यवस्था में सुधार के साथ सड़क दुर्घटनाओं की आशंका कम करने में मदद मिलेगी। एसएसपी श्री रजनेश सिंह ने यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए स्कूलों में विशेष अभियान चलाने को कहा। उन्होंने विद्यार्थियों को यातायात नियमों और सुरक्षित आवागमन के संबंध में जागरूक करने पर जोर दिया।

खराब मौसम एवं रेड अलर्ट के कारण 29 का रोजगार मेला स्थगित

बिलासपुर। खराब मौसम एवं रेड अलर्ट जारी होने के कारण 29 अक्टूबर को आयोजित होने वाला रोजगार मेला आगामी तिथि तक स्थगित कर दिया गया है। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, कोनी, बिलासपुर में यह मेला सवेरे 11 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित होना था। उपसंचालक रोजगार ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन के कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग के निर्देशों के परिपालन में रोजगार मेले का आयोजन प्रस्तावित था। मौसम की स्थिति एवं जारी रेड अलर्ट को देखते हुए इसे स्थगित किया गया है। रोजगार मेले की नई तिथि की सूचना पृथक से दी जाएगी।

सहकारी समितियों के परिसमापन के पूर्व मंगाई गई दावा आपत्ति

बिलासपुर। कार्यालय उप आयुक्त सहकारिता एवं उप पंजीयक, सहकारी संस्थाएं बिलासपुर द्वारा जिले की सहकारी समितियों के परिसमापन के पूर्व 60 दिन के भीतर दावा-आपत्ति मंगाये गये है। परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक ने बताया कि जिले की प्राथमिक वृक्ष सहकारी समिति मर्यादित कारीछापर, ठरकपुर, कैमाडीह, बरगन, सावंतपुर, सोंठी, उपका, लूफा, खैरा एवं अम्बेडकर प्राथमिकता उपभोक्ता भंडार सह. समिति मर्या. अम्बेडकर नगर के परिसमापन की कार्यवाही हेतु समिति के दावेदार, लेनदार अपने दावेमय लिखित प्रमाण में 60 दिन के भीतर कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकते है।

मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न संवर्गों में नवनियुक्त 520 कर्मचारियों को प्रदान किए नियुक्ति पत्र

प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल : सीएम साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी



प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और प्रत्येक नागरिक तक बेहतर उपचार की पहुंच सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। स्वस्थ नागरिक ही सशक्त समाज और विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव हैं। हमारी सरकार का प्रयास है कि शहरों के साथ-साथ गांवों, जनजातीय अंचलों और दूरस्थ क्षेत्रों में भी लोगों को समय पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर के सिविल लाइंस स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न संवर्गों में नवनियुक्त 520 कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सभी नवनियुक्त कर्मचारियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए सेवाभाव, संवेदनशीलता और पूरी निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में सेवा का अवसर मिलना अपने आप में एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। अस्पताल आने वाला प्रत्येक व्यक्ति और उसका परिवार स्वास्थ्यकर्मियों की ओर बड़ी आशा और विश्वास से देखता है। ऐसे में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े प्रत्येक कर्मचारी की जिम्मेदारी केवल अपने शासकीय दायित्वों के निर्वहन तक सीमित नहीं है, बल्कि मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार और सेवाभाव भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त कर्मचारियों से कहा कि रोगियों की सेवा से बढ़कर कोई कार्य नहीं है। आप अपनी ड्यूटी को केवल नौकरी न मानें, बल्कि जनसेवा और पुण्य का कार्य समझकर पूरी ईमानदारी, मनोयोग और समर्पण से कार्य करें। आपके अच्छे व्यवहार, तत्परता और सेवाभाव से मरीजों और उनके परिजनों का स्वास्थ्य व्यवस्था के प्रति विश्वास और मजबूत होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अच्छा स्वास्थ्य जीवन में आगे बढ़ने और सफलता प्राप्त करने की पहली आवश्यकता है। स्वस्थ छत्तीसगढ़ से ही विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण संभव है। जब हमारे नागरिक स्वस्थ होंगे, तभी वे अपनी पूरी क्षमता के साथ परिवार, समाज और प्रदेश की प्रगति में योगदान दे सकेंगे। इसी सोच के साथ राज्य सरकार स्वास्थ्य अधोसंरचना के विस्तार के साथ मानव संसाधन की उपलब्धता बढ़ाने पर भी लगातार कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के बाद बीते 25 वर्षों में स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। राज्य सरकार इस यात्रा को और गति देते हुए नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, अस्पतालों में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विकास, आवश्यक उपकरणों और संसाधनों की उपलब्धता तथा स्वास्थ्य अमले को मजबूत करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। हमारा लक्ष्य ऐसी स्वास्थ्य व्यवस्था विकसित करना है, जिसमें प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को आवश्यकता के समय सुलभ और गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सके।

14 जिलों में सेवाएं देंगे 520 नवनियुक्त स्वास्थ्यकर्मी

स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न संवर्गों के कुल 520 पदों पर चयनित अभ्यर्थियों में स्टाफ नर्स के 208, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक पुरुष के 95, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक महिला के 94, फार्मासिस्ट के 25, वार्ड बॉय के 50 तथा वार्ड आया के 48 पद शामिल हैं। नवनियुक्त कर्मचारी प्रदेश के 14 जिलों में अपनी सेवाएं देंगे। इन नियुक्तियों से संबंधित जिलों में स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन के लिए आवश्यक मानव संसाधन की उपलब्धता बढ़ेगी और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जिन 14 जिलों में नवनियुक्त कर्मचारियों को सेवाएं देनी हैं, उनमें अधिकांश जिले जनजातीय बहुल हैं। इसलिए उनकी जिम्मेदारी और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने कहा कि बस्तर और सरगुजा जैसे क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के निरंतर विस्तार से सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहे हैं। राज्य सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि भौगोलिक दूरी किसी भी नागरिक के लिए बेहतर इलाज प्राप्त करने में बाधा न बने।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों में सेवा देने वाले स्वास्थ्यकर्मी सरकार और आम जनता के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं। इन क्षेत्रों में सेवाभाव और संवेदनशीलता के साथ किया गया कार्य अनेक परिवारों के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकता है। उन्होंने नवनियुक्त कर्मचारियों से कहा कि जहां भी उनकी पदस्थापना हो, वहां लोगों के विश्वास पर खरा उतरते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया से युवाओं को मिल रहे अवसर : स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल ने नवनियुक्त कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सभी 520 कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता के साथ निर्धारित समयसीमा में पूरी की गई है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आवश्यक मानव संसाधन की उपलब्धता बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

डॉक्टर, नर्स सहित स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न पदों पर आवश्यकता के अनुरूप आगे भी भर्तियां की जाएंगी। उन्होंने नवनियुक्त कर्मचारियों से पूरी निष्ठा, अनुशासन और सेवाभाव के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना से ऐश्वर्या की शिक्षा को मिला संबल

धमतरी। मेहनत, हुनर और दृढ़ संकल्प से अपने परिवार का भरण-पोषण करने वाले श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाएं कठिन परिस्थितियों में संबल बन रही हैं। छत्तीसगढ़ शासन की मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना ऐसी ही एक पहल है, जो श्रमिक परिवारों की बेटियों की शिक्षा, सशक्तिकरण और उज्ज्वल भविष्य की दिशा में आर्थिक सहयोग प्रदान कर रही है। धमतरी जिले के ग्राम लोहरसी निवासी मूर्तिकार मनोज कुमार गंगबेर का परिवार इस योजना से लाभान्वित होकर राहत और नई उम्मीद का अनुभव कर रहा है।

मनोज कुमार गंगबेर पेशे से कुशल मूर्तिकार हैं। पत्थरों को अपनी कला और हुनर से सुंदर मूर्तियों का स्वरूप देना उनकी विशेषता है। मूर्तियों के निर्माण के लिए मिलने वाले ऑर्डर और उनसे प्राप्त आय ही उनके परिवार की आजीविका का प्रमुख आधार है। उनकी दो बेटियां हैं। सीमित और अनियमित आय के बीच परिवार की दैनिक जरूरतों को पूरा करने के साथ बेटियों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराना उनके लिए हमेशा एक बड़ी जिम्मेदारी रही है। वे चाहते थे कि आर्थिक परिस्थितियां उनकी बेटियों की पढ़ाई और आगे बढ़ने के सपनों में बाधा न बनें।

इसी बीच श्रम विभाग में पंजीकृत श्रमिक होने के कारण उन्हें मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना की जानकारी मिली। उन्होंने अपनी बेटी ऐश्वर्या के भविष्य और शिक्षा संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए योजना के अंतर्गत आवेदन किया।

विभाग द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों का सत्यापन एवं पात्रता संबंधी प्रक्रिया पूरी किए जाने के बाद नियमानुसार 20 हजार रुपये की सहायता राशि सीधे ऐश्वर्या के बैंक खाते में अंतरित की गई।

एआई+ स्मार्टफोन के चुनिंदा मॉडल्स 15 नवंबर से होंगे महँगे

ग्राहकों के पास मौजूदा कीमतों पर एआई+ स्मार्टफोन खरीदने के लिए 14 नवंबर तक का शानदार मौका

रायपुर ■ दैनन्दिनी

एआई+ स्मार्टफोन ने 15 नवंबर, 2026 से अपने पोर्टफोलियो के चुनिंदा मॉडल्स की कीमतें बढ़ाने का ऐलान किया है। खासकर कम कीमत वाले स्मार्टफोन सेगमेंट में लागत का दबाव लगातार बना हुआ है। एआई+ स्मार्टफोन अब तक इस दबाव के असर का आकलन करते हुए ग्राहकों के लिए फोन की कीमतें किफायती बनाए रखने की कोशिश करता रहा है। हालाँकि, बढ़ती लागत के चलते कंपनी ने कीमतों में एक बार फिर सीमित बढ़ोतरी करने का फैसला किया है, ताकि फोन की कीमतों को किफायती बनाए रखने के साथ ग्राहकों को बेहतर अनुभव भी दिया जा सके। कीमतों में 3,000 रुपए तक की बढ़ोतरी होने वाली है। ऐसे में, ग्राहक 14 नवंबर तक अपने पसंदीदा एआई+ स्मार्टफोन मौजूदा कीमतों पर खरीद सकते हैं।

नई कीमतों के तहत एआई+ पल्स 2 एफई, पल्स 2, नोवा 2 5जी, नोवा 2 नियो 5जी, नोवा 2 पावर 5जी, नोवा 2 प्रो 5जी और नोवा 2 अल्ट्रा 5जी के चुनिंदा वैरिएंट्स 1,000 से 3,000 रुपए तक महँगे होंगे। वहीं, एआई+ नोवाफ्लिप 5जी की कीमत में कोई बदलाव नहीं होगा और यह 49,999 रुपए में उपलब्ध रहेगा।

इंडस्ट्री में लागत से जुड़ी चुनौतियों के बावजूद, एआई+ स्मार्टफोन भारतीय ग्राहकों को किफायती कीमतों पर बेहतर अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी आगे भी कंपोनेंट की लागत और बाजार के बदलते हालात पर नजर रखेगी। साथ ही, ग्राहकों को किफायती तकनीक, भरोसेमंद परफॉर्मेंस और लंबे समय तक बेहतर वैल्यू देने पर अपना ध्यान बनाए रखेगी।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने किया 6.54 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन

पंडरिया/कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। पंडरिया विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीण विकास एवं जनसुविधाओं के विस्तार को लेकर प्रतिबद्ध पंडरिया विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से निरंतर विकास कार्यों की सौगात मिल रही है। विधायक भावना बोहरा ने पांडातराई मंडल अंतर्गत 6 करोड़ 54 लाख 48 हजार रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इस दौरान विधायक भावना बोहरा ने 6 करोड़ 12 लाख 10 हजार की लागत से भगतपुर से घोघरा तक 3.50 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। क्षेत्रवासियों की बहुप्रतीक्षित मांग रही इस सड़क के निर्माण से भगतपुर, घोघरा, मिन्झौरी, खैरझिटी और वनांचल क्षेत्र कुई-कुकदुर सहित आस-पास के कई ग्रामवासियों को सीधा लाभ मिलेगा। विशेषकर इन क्षेत्रों में सब्जी की फसल उत्पादन करने वाले किसानों व व्यापारियों को अब पांडातराई तक सीधे कनेक्टिविटी मिलेगी इसके साथ जिला मुख्यालय आने-जाने में भी लम्बी दूरी तय करके जाने की असुविधा से भी छुटकारा मिलेगा। इसके साथ ही उन्होंने ग्राम पाढ़ी में 11 लाख 69 हजार की लागत से आंगनबाड़ी भवन एवं 5 लाख रु. की लागत से निर्मित अटल डिजिटल सेवा केंद्र तथा ग्राम खैरझिटी पुराना में 11 लाख 69 हजार की लागत से आंगनबाड़ी भवन, 14 लाख रु की लागत से चेकडेम निर्माण का लोकार्पण किया। इन विकास कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुगम होने के साथ ही महिलाओं एवं नौनिहालों को सुविधाजनक सेवाएं तथा डिजिटल सेवाओं की सुविधा उपलब्ध होंगी।



इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि पंडरिया विधानसभा का सर्वांगीण विकास और प्रत्येक गांव तक मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। हमारा प्रयास है कि पंडरिया विधानसभा के वनांचल क्षेत्रों से लेकर हर गांव-गांव तक सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाएं पहुंचे, जिससे आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आए। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की डबल इंजन भाजपा सरकार जनहित को सर्वोपरि रखते हुए विकास कार्यों को निरंतर गति दे रही है। सरकार की प्राथमिकता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले प्रत्येक परिवार को बेहतर सुविधाएं मिलें और विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। भगतपुर से घोघरा तक सड़क निर्माण से ग्रामीणों, किसानों और व्यापारियों को आवागमन की सुविधा मिलेगी, वहीं आंगनबाड़ी भवनों के माध्यम से बच्चों और महिलाओं को बेहतर सेवाएं उपलब्ध होंगी। खैरझिटी पुराना में चेकडैम का निर्माण जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। ये सभी कार्य ग्रामीणों की आवश्यकताओं और क्षेत्र की विकास संबंधी प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण हैं।

विधायक भावना बोहरा ने आगे कहा कि पंडरिया विधानसभा में विकास और जनसुविधाओं के विस्तार का यह सिलसिला निरंतर जारी रहेगा। हमारा संकल्प है कि प्रत्येक गांव को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए क्षेत्र को शिक्षा, आधारभूत संरचना, कृषि और जनकल्याण के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाए। जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना और क्षेत्रवासियों के जीवन को अधिक सुगम, सुविधाजनक एवं समृद्ध बनाना ही हमारी प्रतिबद्धता है। भावना बोहरा ने कहा कि विगत वर्षों में पंडरिया विधानसभा में जनता की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हुई हैं। गाँव गाँव और वनांचल तक सड़कों का जाल बिछ रहा है।

गीता एक ऐसा समुद्र है जिसमें जिस प्राणी को जीवन में जो भी ढूंढना है प्राप्त कर सकता है : गुरुदेव श्री संकर्षण शरणजी





रायपुर ■ दैनन्दिनी

अश्वनी नगर सोनकर मैरिज पैलेस में चल रही गीता ज्ञान अमृत वर्षा की कथा में प्रयागराज से पधारे परम पूज्य गुरुदेव श्री संकर्षण शरण जी (गुरुजी) ने कथा में बताए कि गीता रूपी समुद्र में छलांग लगाने पर मनुष्य सब कुछ प्राप्त कर सकता है, संन्यासी संन्यास प्राप्त कर सकता है, योगी योग प्राप्त कर सकता है ,भक्त भक्ति प्राप्त कर सकता है समझने की आवश्यकता है गीता के अनुसार चलने की आवश्यकता है।आगे गुरुजी बताए कि मनुष्य का जीवन कर्म में हीं व्यतीत होता है, जब कुछ नहीं करते हैं तो कर्म न करने का कर्म होता है, ज्ञान और अज्ञान में, भक्ति और नास्तिकता में व्यतीत करता है कर्म की व्याख्या करते हुए गुरुदेव बताए कि मनुष्य कर्म के बंधन से कभी मुक्त नहीं हो सकते है,भक्ति जरूरी है तब अहंकार नहीं आएगा

ज्ञान भक्ति और कर्म से ही जीवन चलता है ।गंगा यमुना और सरस्वती । कर्म फल की आकांक्षा से स्वयं को मुक्त करना साथ में भक्ति योग से जुड़ना और ज्ञान का दिखावा न करना जैसे सरस्वती नदी रहती है। आत्म साक्षात्कार के विषय में गुरुजी यह बताएं किव्यक्ति के अंदर ऐसे दो तत्व होते हैं जो आत्म साक्षात्कार नहीं करने देते कर्म फल के बंधन से मुक्त होना। राग और द्वेष आत्म साक्षात्कार के मार्ग में अवरोधक होता है ।यह दो तत्वों से ग्रसित करने वाले लोग कभी आत्म साक्षात्कार नहीं कर पाते है । आज की कथा में गुरुजी यह बताएं कि राग और द्वेष की दिशा मोड़ना, गुरु चरण में जाना, परमात्मा के प्रति करना और द्वेष को समाप्त करना इसको मधु और कैटभ के रूप में व्यक्त किया । जो भगवान के ही पुत्र हैं और भगवान इसको समाप्त किए । जब अपने अंदर आत्मसाक्षात्कार सकते हैं हम संसार के सब चीज को जानते हैं लेकिन स्वयं को ही नहीं जान पाते आत्म साक्षात्कार तभी संभव है जब हम अपने अंदर की बुराई को समाप्त करेंगे ।

काफी संख्या में लोगों की भीड़ रही कथा के उपरांत निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें वासुदेव हॉस्पिटल रोहिणी पुरम तालाब डगरिया से डॉक्टर की टीम के द्वारा निशुल्क का स्वास्थ्य जांच किया गया ।जिसमें आए हुए सभी भक्तगण स्वास्थ्य लाभ लिए यह स्वास्थ्य शिविर पूरे कथा में तीन दिन तक चलेगी।

:- संपादकीय :-

नैरेटिव कंट्रोल की चिंता

हाल में संकेत मिले कि सत्ता पक्ष का नैरेटिव कंट्रोल टूट रहा है। उस नियंत्रण को वापस पाने के हालिया प्रयास कारगर नहीं हुए। तो अब संभवतः सरकार की शक्ति के इस्तेमाल की रणनीति बनी है। भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने बीते आठ अक्टूबर को सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को एडवाइजरी भेजी। इसमें कहा गया था कि वे दिल्ली में चल रहे राजनीतिक आंदोलनों के सिलसिले में भ्रामक, पुरानी या संदर्भ से अलग सामग्रियों पर कड़ी निगरानी रखें। उसके बाद दस अक्टूबर को मंत्रालय ने सोशल मीडिया कंपनी मेटा को अलग निर्देश भेजा। उसमें फेसबुक और इंस्टाग्राम के कंटेंट रिकमेंडेशन सिस्टम (एल्गोरिदम) पर सवाल उठाया गया। कुल मिलाकर सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स को आगाह किया गया है कि उन पर एकतरफा नैरेटिव जा रहा है, जिसे उन्हें नियंत्रित करना चाहिए। मंत्रालय ने कहा कि एल्गोरिदम ऐसा होना चाहिए, जिससे यूजर्स को किसी भी मुद्दे पर एकतरफा जानकारी या सीमित नैरेटिव ना मिले। अब सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने टीवी चैनलों को प्रसारण संबंधी नियमों का सख्ती से पालन करने को कहा है।अपनी एडवाइजरी में मंत्रालय ने कहा कि बहस के लिए गेस्ट के चयन में सावधानी बरती जाए और जरूरत पड? पर चैनलों को टिप्पणियां म्यूट करने, चेतावनी दिखाने, डिस्क्लेमर लगाने या प्रसारण रोकने जैसे कदम उठाने चाहिए। सरकार ने आगाह किया है कि केबल टेलीविजन नेटवर्क्स अधिनियम-1995 और उससे जुड़े प्रोग्राम कोड के उल्लंघन पर कार्रवाई की जा सकती है। संदर्भ सामान्य हो, तो इन परामर्श-पत्रों को सरकार के सामान्य कर्त्तव्य निर्वहन के रूप में समझा जाता। लेकिन फिलहाल जो पहल हुई है, उसे मौजूदा परिस्थितियों से अलग करके नहीं देखा जा सकता। आम समझ बनी है कि कॉकरोच आंदोलन के उदय ने देश में राजनीतिक विमर्श को बदल दिया है। अपेक्षाकृत संपन्न घरों से आए नौजवानों ने ऐसी तीखी और अ-शालीन शब्दावली को आम बना दिया, जिससे माहौल बदला और सत्ता पक्ष एवं उसके नेताओं के लिए तब तक अनकही बातें खुल कर कही जाने लगीं। इससे संकेत मिला कि सत्ता पक्ष का नैरेटिव कंट्रोल टूटने लगा है, जो उसकी राजनीतिक शक्ति का प्रमुख आधार रहा है। उस नियंत्रण को वापस लाने के प्रयास पहले हुए, लेकिन वे कारगर नहीं हुए। तो अब संभवतः सरकार की शक्ति का इस्तेमाल करने की रणनीति बनी है। लेकिन बदले माहौल में इसकी कामयाबी भी संदिग्ध है।

वार पर वार दरकती भरोसे की दीवार

हरिशंकर व्यास

नशे के इस काले धंधे का और भी दुखद पहलू यह भी है कि अक्सर इसमें उनकी संलिप्तता सामने आती है जिन पर इस बात की जिम्मेदारी है कि नशा अपने पांव न पसार सके। पिछले दिनों पंजाब में एक पुलिसकर्मी करोड़ों की हेरोइन के साथ पकड़ा गया। कैसी विडंबना है कि वह कर्मी एंटी ड्रोन स्क्वॉड में तैनात था। यानी जिसका काम नशे के सौदागरों की धरपकड़ था, वह उनका मददगार बना हुआ था। उसी तरह मानसा में मेडिकल स्टोर में नशा बिकने की बात सामने आई। हर जगह भरोसे का खून। इस खेल में कभी वर्दी का दुरुपयोग और कभी रुतबे का। युवा पीढ़ी का नाश हो रहा है और सियासत के गलियारों में सिर्फ कीचड़ उछलता दिखता है।वैसे, चारों तरफ अविश्वास और धोखे के आज के माहौल में भी तस्वीर बिल्कुल स्याह नहीं है। अनेक डॉक्टर हैं जो अस्पतालों में अपनी ड्यूटी से ज्यादा समय लगा रहे हैं। अनेक अधिकारी हैं जो निःशुल्क सेवा भी कर रहे हैं। अनेक समाज सुधारक हैं जो समाज के लिए काम कर रहे हैं। जरूरत है इस बात की कि आज का मीडिया भी धोखे, अविश्वास की खबरों का महिमामंडन करने के बजाय प्रेरक कहानियों को ज्यादा स्थान दे।



आज के ई-युग में हमारा दायरा जितना बड़ा होता जा रहा है, भरोसे की दीवार में उतने ही छेद बढ़ते जा रहे हैं। एक ओर जहां सोशल मीडिया पर दावों के साथ अनेक बेबुनियाद चीजें परोसी जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर कहां और किस स्तर पर किसी के साथ कितना बड़ा धोखा हो जाये कहा नहीं जा सकता।

कदम-कदम पर टूटते भरोसे के इस दौर में जाने-माने कथाकार सुदर्शन की एक कहानी हार की जीतयाद आती है। कहानी का सार इस तरह से है–डाकू खड़क सिंह को बाबा भारती का घोड़ा (सुल्तान) बहुत भा जाता है। पहले वह घोड़ा उसे दे देने की विनती करता है। फिर धमकी देता है। जब किसी तरह से बाबा भारती नहीं मानते तो बीमार अपाहिज भेष रखकर मदद मांगता है और बाबा भारती के घोड़े को लेकर भाग जाता है। बाबा भारती उसे रोकते हैं और कहते हैं कि बेशक घोड़ा ले जा, लेकिन धोखा देने की इस कहानी को किसी को बताना मत, नहीं तो कोई किसी पर भरोसा नहीं करेगा। इस कहानी के नायक को दुख इस बात का है कि भरोसा टूटेगा तो अनर्थ हो जाएगा।कहानी के अंत में डाकू उस घोड़े को चुपचाप बाबा भारती के अस्तबल में बांध आता है, यानी उस पर बाबा की सीख का असर पड़ जाता है, लेकिन आज के दौर में एक के बाद एक भरोसा तोड़ने की खबरें सुर्खियां बन रही हैं। ह्यहार की जीतह्ण कहानी एक सीख देती थी, लेकिन अब तो आये दिन भरोसा टूटने की खबरें आती हैं। किसी सीख का असर नहीं, धोखेबाज लोगों पर कानून का भी खौफ नहीं।असल में आज के ई-युग में हमारा दायरा जितना बड़ा होता जा रहा है, भरोसे की दीवार में उतने ही छेद बढ़ते जा रहे हैं। एक ओर जहां सोशल मीडिया पर ह्यदावोंह्ण के साथ अनेक बेबुनियाद चीजें परोसी जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर कहां और किस स्तर पर किसी के साथ कितना बड़ा धोखा हो जाये कहा नहीं जा सकता। उधर, साइबर ठग हैं जो हर समय इसी पर मंथन करते रहते हैं कि अब कौन-सा जाल बिछाया जाये, इधर, ऐसे भी मामले सामने आए हैं कि जिन पर विश्वास का एक लेबल चस्पां था, वे ही अविश्वास का जाल बुनते रहे।हरियाणा के आईडीएफसी, एयू बैंक फ्रॉड मामला हो या फिर चंडीगढ़ में सरकारी पैसे का इधर से उधर होना, आखिर क्या है? भरोसे का खून ही तो है। जांच चल रही है, कई अधिकारी निलंबित किए जा चुके हैं, लेकिन भरोसा तो तोड़ा ही गया। शुरूआती जांच में यही सामने आ रहा है कि मौज-मस्ती के लिए सारे नियम-कानून और अपने ओहदे तक को ताक पर रख दिया गया। यह तो एक बानगीभर है। आयेदिन ऐसी खबरें आती हैं कि जिन पर भरोसा था, उन्होंने ही इसे तोड़ा। कुछ दिन पूर्व एक खबर आई कि डाक विभाग की एक महिला कर्मचारी ने लोगों के बचत के पैसों में ही गोलमाल कर दिया। जब जांच हुई तो उस अधिकारी को निकाल दिया गया।भरोसे की दीवार पर चारों ओर से चोट हो रही है। अनेक जगह डॉक्टरों पर आरोप लगते हैं कि उन्होंने मिलीभगत से किसी के इलाज में उन दवाओं और उपकरणों के प्रयोग को भी शामिल किया जिनकी वहां जरूरत ही नहीं थी। सवाल यही कि किस पर करें यकीन। सोशल मीडिया मंचों पर लाइक्स और व्यूज के चक्कर में कोई आयुर्वेद का जानकार बना फिर रहा है तो कोई चुटकियों में बीमारी को खत्म करने का दावा कर रहा है। इसे इस तरीके से परोसा जा रहा है कि अच्छा-खासा समझदार भी उनके झांसे में आ जाये।पिछले दिनों पंजाब के अमृतसर, बिहार-झारखंड के कुछ इलाकों और उत्तराखंड से खबरें आईं कि कुछ लोग एंबुलेंस के जरिये नशे का काला कारोबार कर रहे थे। एक एंबुलेंस में तो एक महिला को फर्जी बीमार बनाकर लिटाया गया था। शक के आधार पर एंबुलेंस को रोका गया तो पूरा खुलासा हुआ।नशे के इस काले धंधे का और भी दुखद पहलू यह भी है कि अक्सर इसमें उनकी संलिप्तता सामने आती है जिन पर इस बात की जिम्मेदारी है कि नशा अपने पांव न पसार सके। पिछले दिनों पंजाब में एक पुलिसकर्मी करोड़ों की हेरोइन के साथ पकड़ा गया। कैसी विडंबना है कि वह कर्मी एंटी ड्रोन स्क्वॉड में तैनात था। यानी जिसका काम नशे के सौदागरों की धरपकड़ था, वह उनका मददगार बना हुआ था। उसी तरह मानसा में मेडिकल स्टोर में नशा बिकने की बात सामने आई। हर जगह भरोसे का खून। इस खेल में कभी वर्दी का दुरुपयोग और कभी रुतबे का। युवा पीढ़ी का नाश हो रहा है और सियासत के गलियारों में सिर्फ कीचड़ उछलता दिखता है।

वैसे, चारों तरफ अविश्वास और धोखे के आज के माहौल में भी तस्वीर बिल्कुल स्याह नहीं है। अनेक डॉक्टर हैं जो अस्पतालों में अपनी ड्यूटी से ज्यादा समय लगा रहे हैं। अनेक अधिकारी हैं जो निःशुल्क सेवा भी कर रहे हैं। अनेक समाज सुधारक हैं जो समाज के लिए काम कर रहे हैं। जरूरत है इस बात की कि आज का मीडिया भी धोखे, अविश्वास की खबरों का महिमामंडन करने के बजाय प्रेरक कहानियों को ज्यादा स्थान दे। साथ ही जरूरत है इस बात की भी कि हर जिम्मेदार नागरिक अपना कर्तव्य सही से निभाये। यह कर्तव्य निर्वहन अपनी नौकरी, घर-परिवार और समाज से शुरू होनी चाहिए। भरोसा तो कायम करना होगा। विश्वास बहाली तो बेहद जरूरी है।

राशिफल

मेष राशि : कृषकों के लिए दिन बेहतर रहेगा, कृषि कार्यों में प्रगति होगी। दांपत्य जीवन में खुशियों का आगमन होगा। आज आप कोई नया काम शुरू करना चाहते हैं तो सफलता जरूर मिलेगी। स्वास्थ्य के नजरिए से आपका दिन अच्छा रहेगा।

वृष राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। पिछले कुछ दिनों से स्वास्थ्य से परेशान लोगों को आज काफी राहत मिलेगी। आज ऑफिस में आपके प्रमोशन की खुशखबरी मिल सकती है। घरवालों के साथ खुशी का वातावरण रहेगा। पुराना लोन चुकाने की संभावना बन रही है। सिविल इंजीनियर आज किसी नए प्रोजेक्ट की शुरूआत करेंगे।

मिथुन राशिः आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आप अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे, जिससे परिवार के लोग आपकी सराहना करेंगे। दांपत्य जीवन में सुख-सौहार्द बढ़ेगा। राजकीय क्षेत्र के लोगों के साथ बेहतर तालमेल बनाकर रखें, लोग आपका समर्थन करेंगे। लवमेट के बीच चली आ रही तकरार आज समाप्त होगी और एक-दूसरे को बेहतर समझेंगे। आय वृद्धि के कई स्रोत मिलेंगे। स्वास्थ्य चुस्त-दुरुस्त बना रहेगा।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। बड़ों की राय मानना आपके लिए बेहतर साबित हो सकता है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों की मेहनत जल्द रंग लाएगी। इलेक्ट्रीशियन के कारोबारियों को व्यापार में अच्छा लाभ मिलेगा। वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी। सामाजिक क्षेत्र में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और लोग आपके सज्जन स्वभाव की तारीफ करेंगे। संतान पक्ष से बड़ी खुशखबरी मिल सकती है।

सिंह राशिः आज आपका दिन अच्छा गुजरने वाला है। एम.टेक के छात्र किसी टॉपिक में उलझ सकते हैं, बेहतर होगा कि आप किसी से सलाह ले लें। आज आपके मन में शुभ विचारों का उदय होगा और कुछ नया करने की उत्सुकता बढ़ेगी। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। मनचाही वस्तु की खरीदारी कर सकते हैं। ऑफिस में अपनी छवि और बेहतर करने का प्रयास करेंगे।

कन्या राशिः आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा। अनावश्यक विवाद करने से बचें, वरना उलझनें बढ़ सकती हैं। दोस्तों का भरपूर सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ नए लोगों से मुलाकात हो सकती है, जिनसे महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। दांपत्य जीवन का रिश्ता पहले से मजबूत बनेगा और जीवनसाथी से मन की बात शेयर कर सकते हैं। परिवार से दूर रहकर नौकरी कर रहे लोगों को परिजनों से मिलने का मौका मिलेगा।

तुला राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों की सैलरी में बढ़ोतरी होगी, जिससे आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। आपके फैसलों में परिवार का भरपूर सपोर्ट मिलेगा। स्वास्थ्य के नजरिए से दिन ऊर्जा से भरा रहेगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। मनोबल में वृद्धि होगी और कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत सफलता दिलाएगी। दोस्तों के साथ छोटी-मोटी पार्टी का आयोजन कर सकते हैं। आपके स्वभाव में सकारात्मक बदलाव आएगा। यदि आप नया वाहन खरीदना चाहते हैं तो आज का दिन शुभ है। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

धनु राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। सामाजिक कार्यों में रुचि लेने वाले लोगों को सम्मानित किया जाएगा। स्वास्थ्य संबंधी समस्या से राहत मिलेगी। पारिवारिक सुख-समृद्धि और स्वजनों से लगाव बढ़ेगा। आपका आर्थिक पक्ष पहले से अधिक मजबूत होगा। घर बनवा रहे लोगों का काम तेजी से आगे बढ़ेगा।

मकर राशिः आज आपका दिन सकारात्मक ऊर्जा से भरा रहेगा। मनपसंद वाहन खरीदने की ओर आपका ध्यान आकर्षित होगा। बेटी का किसी मनचाहे फील्ड में सिलेक्शन होने के योग बन रहे हैं। वैवाहिक जीवन में खुशियों का आगमन होगा। आज जल्दबाजी में काम करने से गलती हो सकती है, इसलिए सतर्कता बरतें। जीवनशैली में अनुकूल परिवर्तन आएगा। मैकेनिकल इंजीनियर्स को नया टारगेट मिल सकता है।

कुंभ राशि :आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा। तले-भुने भोजन से स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। राजनीति में आपकी जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। दांपत्य जीवन की अनबन आज समाप्त होगी। बड़ों की बात ध्यान से सुनें और बीच में न काटें।

मीन राशिःआज आपका दिन लाभदायक रहने वाला है। सभी के प्रति स्नेहपूर्वक रहें और समझदारी से काम लें। आज आपके लिए आय के नए मार्ग खुलेंगे।

सू- दोकू क्र. 197

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.196का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

नजरिया | कमलेश साहू

गरीब के सम्मान से विकसित भारत के संकल्प तक का अभियान



किसी सरकार की योजनाओं का वास्तविक मूल्य केवल बजट के आंकड़ों, स्वीकृतियों और निर्माण कार्यों से नहीं आंका जा सकता। उसकी सबसे सार्थक कसौटी यह है कि उसने सामान्य नागरिक के जीवन में कितना परिवर्तन किया, उसकी चिंता कितनी कम की और उसके सपनों को पूरा करने के लिए कितना मजबूत आधार दिया। जब वर्षों तक कच्चे मकान में रहने वाला कोई परिवार पहली बार अपने पक्के घर की छत के नीचे चैन से सोता है, जब बारिश का मौसम उसके लिए चिंता के बजाय सुकून लेकर आता है और जब एक गरीब परिवार अपने बच्चों के भविष्य को अधिक सुरक्षित महसूस करता है, तब जनकल्याण की योजना अपने वास्तविक उद्देश्य को प्राप्त करती है।प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सार्वजनिक जीवन की यात्रा में गरीब, वंचित और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के जीवन में बदलाव का विषय लगातार प्रमुख रहा है। स्वयं प्रधानमंत्री ने इस यात्रा का उल्लेख करते हुए लोगों के जीवन को बेहतर बनाने और राष्ट्र की प्रगति में योगदान को अपने प्रयासों का केंद्र बताया है। उनके शासन के 25 वर्षों की इस यात्रा को जनसेवा, जनकल्याण और जन-आकांक्षाओं को शासन के केंद्र में रखने के संदर्भ में देखा जा सकता है। आज जब सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से पूरा देश सेवा के इसी भाव को आगे बढ़ा रहा है, तब प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) जैसे कार्यक्रम इस सोच को धरातल पर समझने का अवसर देते हैं। गरीब के लिए अपना पक्का घर केवल चार दीवारें और छत नहीं होता। वह सुरक्षा है, सम्मान है, स्थायित्व है और अगली पीढ़ी के बेहतर भविष्य की बुनियाद है।छत्तीसगढ़ के शहरों में प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित परिवारों के अनुभव इस बदलाव को बहुत सहजता से अभिव्यक्त करते हैं। किसी परिवार के लिए पक्का घर मिलने का अर्थ बरसात में टपकती छत और सीलन से मुक्ति है। किसी के लिए सांप-बिच्छुओं और दूसरे जीव-जंतुओं के भय से निजात है। किसी श्रमिक परिवार के लिए यह सीमित आमदनी के कारण वर्षों से अधूरा पड़ा सपना पूरा होने जैसा है। किसी माता के लिए अपने बच्चों को सुरक्षित घर में बढ़ते हुए देखने का संतोष है। इन परिवारों की भावनाओं में एक बात समान रूप से दिखाई देती है–अपना घर जीवन में सुरक्षा के साथ आत्मविश्वास भी लेकर आया हैयही वह परिवर्तन है जो किसी कल्याणकारी योजना को सरकारी कार्यक्रम से आगे बढ़ाकर सामाजिक बदलाव का माध्यम बनाता है।गरीबी केवल आय की कमी का प्रश्न नहीं है। असुरक्षित आवास, बुनियादी सुविधाओं का अभाव और भविष्य को लेकर अनिश्चितता भी गरीब परिवार के संघर्ष को बढ़ाती है। इसीलिए गरीब कल्याण की अवधारणा को आवास, पेयजल, स्वच्छता, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और अन्य बुनियादी आवश्यकताओं से जोड़कर देखना महत्वपूर्ण है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य इन आवश्यकताओं तक जरूरतमंद परिवारों की पहुंच बढ़ाना रहा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) इस व्यापक सोच का प्रत्यक्ष उदाहरण है। एक गरीब परिवार जब कच्चे मकान से निकलकर अपने पक्के आवास में प्रवेश करता है तो केवल उसका पता नहीं बदलता, जीवन के प्रति उसका दृष्टिकोण भी बदलता है। मजबूत दीवारें उसे सुरक्षा देती हैं, पक्की छत चिंता कम करती है और अपना घर भविष्य के प्रति भरोसा जगाता है। घर परिवार की सामाजिक गरिमा से भी जुड़ता है। इसीलिए आवास उपलब्ध कराने का प्रयास केवल निर्माण का विषय नहीं, बल्कि सम्मान और अवसर से भी जुड़ा विषय है।

विचार

भगवान वाल्मीकि जी : ज्ञान, मानवता और सामाजिक चेतना के अमर प्रकाश



अजर -अमर त्रिकालदर्शी भगवान वाल्मीकि जी भारतीय संस्कृति, साहित्य और मानवता के ऐसे महान प्रेरणास्रोत हैं, जिनका ज्ञान-प्रकाश युगों से समाज का मार्गदर्शन करता आ रहा है। आदिकवि के रूप में प्राप्त उनका सम्मान उनके अद्वितीय साहित्यिक अवदान का प्रमाण है। उनके द्वारा रचित रामायण भारतीय साहित्य की अमूल्य धरोहर है, जिसने अनगिनत पीढ़ियों को सत्य, मर्यादा, त्याग, कर्त्तव्य, करुणा और न्याय का पावन संदेश दिया है। भगवान वाल्मीकि जी का जीवन और साहित्य आज भी हमें ज्ञान, सदाचार और मानवीय मूल्यों से आलोकित जीवन-पथ पर चलने की प्रेरणा देता है।भगवान वाल्मीकि जी की सर्वश्रेष्ठ कृति रामायण है। इस महाकाव्य में भगवान श्रीराम के जीवन, आदर्शों, संघर्षों और कर्त्तव्यनिष्ठा का अत्यंत प्रभावशाली तथा मार्मिक चित्रण मिलता है। रामायण हमें माता-पिता के प्रति श्रद्धा, भाईचारे की भावना, सच्ची मित्रता, त्याग, नारी-सम्मान, सत्य, न्याय और समाज के प्रति उत्तरदायित्व जैसे जीवन-मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश देती है। रामायण केवल धार्मिक आस्था का ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन और समाज के विविध आयामों को समझने का गहन माध्यम भी है। इसमें परिवार और संबंधों की गरिमा, कर्त्तव्य और संघर्ष की महत्ता, नेतृत्व की मर्यादा तथा मानवीय संवेदनाओं का अत्यंत सजीव और हृदयस्पर्शी चित्रण हुआ है। यही कारण है कि भगवान वाल्मीकि जी की अमर रचना का प्रभाव भारतीय साहित्य, कला, संस्कृति और लोकजीवन पर सदियों से निरंतर बना हुआ है।

नीलकुरिंजी के समय से पहले खिलने का सवाल

यह पौधा सामान्यतः बारह वर्ष में एक बार सामूहिक रूप से खिलता है। इस क्षेत्र में पिछला बड़ा पुष्पन 2018 में दर्ज हुआ था, इसलिए अगले पुष्पन की उम्मीद 2030 के आसपास थी। लेकिन फूल चार साल पहले ही खिल उठे और वनस्पति वैज्ञानिक इसी से हैरान हैं।

पश्चिमी घाट की धुंध में लिपटी कुद्रेमुख की पहाड़ियां इन दिनों नीले-बैंगनी रंग में रंगी हैं। गंगडिकल्लु, चिट्कलगुड्डु और कुद्रेमुख राष्ट्रीय उद्यान की शोला घासभूमियों में नीलकुरिंजी खिली है और प्रकृति-प्रेमी उसे देखने पहुंच रहे हैं। यह पौधा सामान्यतः बारह वर्ष में एक बार सामूहिक रूप से खिलता है। इस क्षेत्र में पिछला बड़ा पुष्पन 2018 में दर्ज हुआ था, इसलिए अगले पुष्पन की उम्मीद 2030 के आसपास थी। लेकिन फूल चार साल पहले ही खिल उठे और वनस्पति वैज्ञानिक इसी से हैरान हैं।नीलकुरिंजी पश्चिमी घाट की स्थानिक प्रजाति है, यानी यह प्राकृतिक रूप से दुनिया में कहीं और नहीं मिलती। यह लगभग 1,300 से 2,600 मीटर की ऊंचाई पर शोला घासभूमियों में उगती है। केरल के मुन्नार और इडुक्की, तमिलनाडु की नीलगिरि और पलनी की पहाड़ियां तथा कर्नाटक का कुद्रेमुख इसके प्रमुख ठिकाने हैं। यह झाड़ी अपने जीवनकाल में एक ही बार खिलती है। फूल और बीज बनने के बाद पूरा पौधा सूखकर मर जाता है।सवाल यह है कि सभी पौधे बारह साल तक चुपचाप बढ़ते रहने के बाद एक साथ क्यों खिलते हैं। सबसे प्रचलित व्याख्या इसे जीवित रहने की रणनीति मानती है। अगर हर पौधा अलग-अलग साल फूलता, तो बीज खाने वाले पक्षी और कीट थोड़े-थोड़े बीजों को आसानी से चट कर जाते। लेकिन जब सभी पौधे एक साथ खिलते हैं, तो इतने बीज पैदा होते हैं कि बीज खाने वाले जीव उन सभी को नहीं खा पाते। जो बीज बच जाते हैं, वे अगली पीढ़ी बनाते हैं। एक साथ खिलने से मधुमक्खियों और तितलियों को भरपूर पराग मिलता है और अलग-अलग पौधों के बीच परागण की संभावना बढ़ती है।

इसके बावजूद, नीलकुरिंजी के बारह साल में एक बार खिलने का रहस्य पूरी तरह नहीं सुलझा है। पौधों के भीतर वह कौन-सी घड़ी है, जो बारह वर्ष गिनती है? पहाड़ों पर दूर-दूर फैले पौधे आपस में तालमेल कैसे बिठाते हैं? इसका पक्का जैविक या आनुवंशिक तंत्र अब तक स्थापित नहीं हुआ है। तापमान, वर्षा और मिट्टी की नमी की भूमिका का अनुमान लगाया जाता है, लेकिन यह अभी केवल अनुमान ही है। इस बार का समय से पहले खिलना एक सवाल खड़ा करता है।

शब्द सामर्थ्य -198

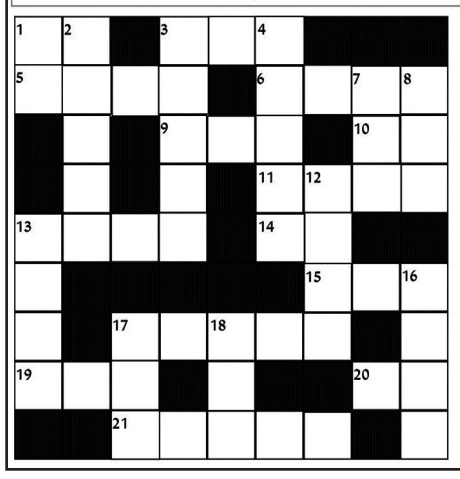
(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे

1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबाज़, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थिति प्रसिद्ध जेल।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक 197 का हल

वा	स्ता			सि	स	की		
जि		ल	प	ट		मा	चि	स
ब	द	ला		क			ल	
		ट		नी	ल	क	म	ल
ता	ली		का		की			हू
क		स	रो	का	र			लु
झां		ज	बा	न		म	सी	हा
क	च	ना	र		भा	र्या		न
	र्म			ज	र	दा		

युवा क्रांति ग्राम समिति मंडेली द्वारा दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता संपन्न

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी संजू देवी यादव ने बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

छुरा (गरियाबंद) (दैनंदिनी ब्यूरो)। थाना छुरा क्षेत्रांतर्गत ग्राम मंडेली में 'युवा क्रांति ग्राम समिति' के तत्वावधान में दिनांक 24 और 25 अक्टूबर 2026 को दो दिवसीय महिला एवं पुरुष वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रों से आई महिला एवं पुरुष टीमों ने भाग लेकर अपने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में छुरा अनुविभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीओपी) गरिमा दादर थाना छुरा के पुलिस बल के साथ उपस्थित रहीं। विशेष अतिथि के रूप में भारतीय महिला कबड्डी टीम की सदस्य संजू देवी यादव भी शामिल हुईं, जिनकी उपस्थिति ने खिलाड़ियों और ग्रामीणों में विशेष उत्साह भर दिया।





समारोह के दौरान अतिथियों ने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया और ग्रामीणों को संबोधित किया:

खेल एवं युवा प्रेरणा: भारतीय महिला कबड्डी टीम की सदस्य संजू देवी यादव ने युवाओं, विशेषकर बेटियों को खेलों में आगे आने और देश व क्षेत्र का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। वहीं एसडीओपी गरिमा दादर ने जीवन में खेल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल स्वास्थ्य, अनुशासन और टीम भावना के विकास के लिए आवश्यक हैं।

साइबर जागरूकता:ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग और ओटीपी शेयर न करने के संबंध में ग्रामीणों को जागरूक किया गया।

नशे के दुष्प्रभाव:युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश देते हुए इसके शारीरिक, पारिवारिक और सामाजिक नुकसानों से अवगत कराया गया।

घरेलू हिंसा एवं महिला अपराध: महिलाओं के अधिकारों, कानूनी सुरक्षा प्रावधानों और महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम पर जानकारी देते हुए किसी भी समस्या पर तुरंत पुलिस से संपर्क करने की सलाह दी गई। इस अवसर पर ग्राम मंडेली के जनप्रतिनिधि, युवा क्रांति ग्राम समिति के पदाधिकारी, थाना छुरा के पुलिस अधिकारी-कर्मचारी, खिलाड़ी और बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे। आयोजकों ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

28-29 को अत्यधिक भारी वर्षा एवं तेज हवाओं की चेतावनी, रेड अलर्ट जारी

राहत एवं बचाव के लिए जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित

मुंगेली (दैनंदिनी ब्यूरो)। मौसम विभाग द्वारा 29 अक्टूबर को मुंगेली जिले में अत्यधिक भारी वर्षा, गरज-चमक एवं तेज हवाएं चलने की संभावना के मद्देनजर रेड अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की गति 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है। मौसम की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से विशेष सतर्कता बरतने और आवश्यक सावधानियां अपनाने की अपील की है।

कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा है कि खराब मौसम के दौरान अत्यंत आवश्यक कार्य होने पर ही घर से बाहर निकलें। उन्होंने कहा कि गरज-चमक एवं आकाशीय बिजली की स्थिति में खुले मैदान, ऊंच स्थानों और पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचें। तेज हवाओं के दौरान जर्जर भवनों, कमजोर मकानों, बिजली के खंभों, विद्युत तारों, पेड़ों एवं होर्डिंग के आसपास न रहें। नागरिक मौसम विभाग और जिला प्रशासन द्वारा जारी अधिकृत सूचनाओं एवं दिशा-निर्देशों का पालन करें तथा अफवाहों और अपुष्ट जानकारी पर विश्वास करने से बचें।

जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि खराब मौसम, तेज हवाओं एवं आकाशीय बिजली की संभावना के दौरान खेतों और खुले स्थानों में काम करने से बचें। किसान खेतों में जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त रखें। पक चुकी धान, दलहन एवं तिलहन फसलों की कटाई मौसम की स्थिति को देखते हुए टालें तथा पहले से कटी हुई फसलों को सुरक्षित एवं ऊंचे स्थान पर रखें। पशुपालक पशुओं को सुरक्षित एवं आश्रययुक्त स्थान पर रखें तथा उनके लिए पर्याप्त सूखे चारे और स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करें। मौसम की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा संबंधित विभागों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के लिए जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। आम नागरिक किसी भी आपात स्थिति में 07755-264440 पर संपर्क कर सकते हैं।

नीति आयोग की केंद्रीय प्रभारी अधिकारी ने किया गरियाबंद एवं मैनपुर का निरीक्षण



गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। नीति आयोग के आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम के अंतर्गत भारत सरकार के वाणिज्य विभाग की उप सचिव एवं केंद्रीय प्रभारी अधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने आकांक्षी विकासखंड गरियाबंद एवं मैनपुर का मैदानी निरीक्षण कर शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण एवं महिला स्व-सहायता समूहों की आजीविका गतिविधियों की समीक्षा की।

उन्होंने मैनपुर के देहारगुड़ा स्थित शासकीय विद्यालय, भाटीगढ़ आंगनबाड़ी केंद्र एवं बरदुला-बोइरगांव स्थित आयुष्मान आरोग्य केंद्र के प्रसवोत्तर देखभाल कक्ष तथा गरियाबंद के मजरकट्टा स्थित बिहान कैंटीन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण सेवाओं की गुणवत्ता तथा महिला समूहों के आर्थिक सशक्तीकरण एवं स्वरोजगार संबंधी गतिविधियों की जानकारी ली।

सुश्री चौधरी ने अधिकारियों को विभागीय समन्वय, उपलब्ध संसाधनों के प्रभावी उपयोग, समस्याओं के समयबद्ध निराकरण तथा शासकीय योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रखर चंद्राकर सहित संबंधित विभागीय अधिकारी एवं जनपद पंचायत गरियाबंद की टीम उपस्थित रही।

गरियाबंद पुलिस ने जन चौपाल के माध्यम से किया ग्रामीणों से सीधा संवाद

, अपराध नियंत्रण और जन सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने व्यापारी संघ व ग्रामीणों को किया गया प्रेरित

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। पुलिस अधीक्षक गरियाबंद वेदव्रत सिरमौर के मार्गदर्शन में आज जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों के अंतर्गत ' पुलिस जन चौपाल ' का आयोजन किया गया। इस चौपाल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा का वातावरण निर्मित करना, पुलिस और जनता के बीच की दूरी को कम करना तथा अपराधों की रोकथाम में आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करना है।

आयोजित जन चौपाल के दौरान थाना प्रभारियों एवं पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों और स्थानीय व्यापारी संघों के साथ सीधा संवाद स्थापित किया। चौपाल में उपस्थित नागरिकों को साइबर अपराध, उठाईगीरी, धोखाधड़ी और घरेलू हिंसा जैसे अपराधों के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके त्वरित निराकरण का आश्वासन दिया गया।











सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी की उपयोगिता पर विशेष जोर:

चर्चा के दौरान पुलिस अधिकारियों ने आधुनिक तकनीक के महत्व को रेखांकित करते हुए जन सुरक्षा और अपराध विवेचना में सीसीटीवी कैमरों की भूमिका पर विशेष प्रकाश डाला। पुलिस अधीक्षक गरियाबंद की ओर से व्यापारी संघों और प्रबुद्ध ग्रामीणों को अपने-अपने व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, प्रमुख चौक-चौराहों और रिहायशी इलाकों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए विशेष रूप से प्रोत्साहित किया गया। ग्रामीणों को बताया गया कि सीसीटीवी कैमरे न केवल अपराधियों में भय पैदा करते हैं, बल्कि किसी भी अप्रिय घटना या अपराध की स्थिति में त्वरित विवेचना और आरोपियों की पहचान करने में पुलिस के लिए एक अत्यंत मददगार माध्यम साबित होते हैं।

पुलिस अधीक्षक गरियाबंद की अपील:

इस पहल पर पुलिस अधीक्षक गरियाबंद ने जिला वासियों से अपील करते हुए कहा है, "जन सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि इसमें समाज के हर वर्ग की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। 'स्मार्ट और सुरक्षित गरियाबंद' की दिशा में कदम बढ़ाते हुए व्यापारी वर्ग और ग्रामीण आगे आएं और अपने परिसरों में सीसीटीवी कैमरे अवश्य लगवाएं। गरियाबंद पुलिस सदैव आपकी सुरक्षा और सेवा में तत्पर है।"

संवैधानिक अधिकारों, सामाजिक न्याय एवं आरक्षण की रक्षा के लिए राजनांदगांव में जुटे लगभग 5,000 लोग

आरक्षण बचाओ रैली 2.0 में 21 सूत्रीय मांगों को लेकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

राजनांदगांव (दैनंदिनी ब्यूरो)। भारतीय संविधान में प्रदत्त सामाजिक न्याय, समान अवसर, आरक्षण एवं सामाजिक प्रतिनिधित्व के अधिकारों की रक्षा के लिए आज राजनांदगांव में 'आरक्षण बचाओ रैली 2.0' का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ के जेन-ज़ी (Gen-Z) युवा वर्ग के आह्वान पर आयोजित इस रैली में राजनांदगांव, मानपुर-मोहला, खैरागढ़ सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लगभग 5,000 लोगों ने भाग लिया। रैली में अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) के संवैधानिक अधिकारों, आरक्षण व्यवस्था, शिक्षा, रोजगार, सामाजिक प्रतिनिधित्व तथा आजीविका से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया।

रैली में शामिल लोगों ने कहा कि संविधान ने देश के प्रत्येक नागरिक को समानता, न्याय एवं सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार दिया है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक उत्थान के लिए किए गए संवैधानिक प्रावधानों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना शासन की जिम्मेदारी है। इसके बावजूद प्रदेश में आरक्षण, बैकलॉग पदों पर भर्ती, पदोन्नति में आरक्षण, छात्रवृत्ति, शासकीय सेवाओं में प्रतिनिधित्व तथा विश्वविद्यालयों में आरक्षण रोस्टर जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर कार्रवाई की आवश्यकता बनी हुई है।

रैली के दौरान प्रतिनिधिमंडल विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के बंगले पर पहुंचा और संवैधानिक मुद्दों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। इसके पश्चात प्रतिनिधिमंडल इमाम चौक पहुंचा, जहां भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, छत्तीसगढ़ के राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर इन मुद्दों पर आवश्यक संवैधानिक एवं प्रशासनिक कार्रवाई की मांग की गई।



21 सूत्रीय मांगों में आरक्षण, रोजगार एवं सामाजिक प्रतिनिधित्व प्रमुख

ज्ञापन के माध्यम से अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्गों के लिए पदोन्नति में आरक्षण नियम-5 को पुनः अधिसूचित कर लागू करने, सर्वोच्च न्यायालय के संबंधित अंतरिम आदेशों के अनुरूप कार्रवाई करने तथा बिना आरक्षण रोस्टर के की जा रही पदोन्नतियों पर रोक लगाने की मांग की गई।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा (अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण) अधिनियम, 1994 का प्रभावी पालन सुनिश्चित करने, आरक्षण रोस्टर का नियमित संधारण करने तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के लंबित बैकलॉग पदों को विशेष भर्ती अभियान के माध्यम से भरने की मांग भी उठाई गई। इसके साथ ही राज्य में OBC वर्ग को 27 प्रतिशत तथा SC वर्ग को 13 प्रतिशत आरक्षण देने से संबंधित लंबित विषयों पर आवश्यक निर्णय लेकर आगे की कार्रवाई करने का आग्रह किया गया।

प्रतिनिधिमंडल ने प्लेसमेंट, आउटसोर्सिंग, संविदा एवं अन्य वैकल्पिक भर्ती प्रक्रियाओं के माध्यम से आरक्षण व्यवस्था प्रभावित होने पर चिंता जताई। कर्मशाला सहायकों की भर्ती में आरक्षण नियमों का पालन सुनिश्चित करने, स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में पदों की गणना की व्यवस्था की समीक्षा करने तथा संविदा एवं आउटसोर्स कर्मचारियों के नियमितीकरण से पहले सामाजिक प्रतिनिधित्व का आकलन करने की मांग की गई।

इसके अलावा अनुसूचित जाति उपयोजना (SCSP) एवं जनजातीय उपयोजना (TSP) की राशि का पारदर्शी उपयोग, युवाओं के स्वरोजगार एवं कौशल विकास के लिए पर्याप्त बजट, संविधान के अनुच्छेद 275(1) के अंतर्गत प्राप्त राशि का जनजातीय विकास के लिए उपयोग तथा PESA एवं वन अधिकार अधिनियम (FRA) का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने की मांग की गई।

ज्ञापन में पांचवीं अनुसूची क्षेत्रों में ग्राम सभाओं को सशक्त बनाने, शासन-प्रशासन, आयोगों, बोर्डों एवं नीति-निर्माण संस्थाओं में SC, ST एवं OBC वर्गों का उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने तथा पदोन्नति से संबंधित सेवा नियमों एवं रियायतों का पालन करने पर भी जोर दिया गया।

विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति में वृद्धि एवं समय पर भुगतान, विश्वविद्यालयों तथा उच्च शिक्षण संस्थानों में सामाजिक न्याय सुरक्षा तंत्र की स्थापना, आरक्षण एवं बैकलॉग संबंधी वार्षिक प्रतिवेदन विधानसभा में प्रस्तुत करने तथा जाति प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया सरल करने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई।

ज्ञापन में छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता, 1959 की धारा 165(6) से संबंधित 17 अगस्त 2016 के परिपत्र की समीक्षा कर अनुसूचित जनजाति की जमीन गैर-जनजातीय व्यक्तियों को लीज या किराये पर देने से संबंधित आदेश को निरस्त करने का आग्रह किया गया। साथ ही उच्च न्यायपालिका में सामाजिक प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए व्यापक संवैधानिक एवं नीतिगत विमर्श शुरू करने की मांग की गई।

चिखलाकसा की बेटी आशा गौड़ ने लहराया परचम, राज्यस्तरीय भारोत्तोलन में जीता गोल्ड; अब दिल्ली में दिखाएंगी दम



बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले के स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय (सेजेस) चिखलाकसा की कक्षा 12वीं की मेधावी छात्रा आशा गौड़ ने अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए राज्यस्तरीय भारोत्तोलन (वेटलिफ्टिंग) प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल किया है। बेमेतरा में आयोजित इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में उन्होंने 77 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया और जिले व विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। इस शानदार सफलता के बाद अब आशा गौड़ आगामी 31 अक्टूबर से 5 नवंबर तक देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर की भारोत्तोलन प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगी।

विद्यालय के प्राचार्य प्रदीप कुमार नायक ने आशा की इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह सफलता उनकी दिन-रात की कड़ी मेहनत, अटूट लगन और निरंतर अभ्यास का सुखद परिणाम है। इस गौरवशाली क्षण से पूरा विद्यालय परिवार और चिखलाकसा नगर गौरवान्वित महसूस कर रहा है। विद्यालय के शारीरिक शिक्षक (पीटीआई) जेएस ठाकुर ने कहा कि आशा का यह सफर क्षेत्र के अन्य युवा खिलाड़ियों और विद्यार्थियों के लिए एक मिसाल है। यह साबित करता है कि खेल के प्रति सच्चा समर्पण, कड़ा अनुशासन और नियमित अभ्यास से किसी भी मुकाम को हासिल किया जा सकता है।

राष्ट्रीय स्तर पर चयन की खबर मिलते ही विद्यालय प्रांगण में बधाई देने वालों का तांता लग गया। नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कुंती देवांगन, उपाध्यक्ष राजू रावटे, समस्त पार्षदगण, और गणमान्य नागरिकों ने उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही, डौण्डी विकास खंड शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार चतुर्वेदी, विकास खंड खेल अधिकारी जेएस ठाकुर और विद्यालय परिवार से एसएस नयन, जीआर सोरी, बीआर मसियारे, मीनाक्षी गुप्ता, डी पारकर, जैकलीन कैरी, नारायणी यादव, निशा द्विवेदी, लक्ष्मण कृषाणे, गोवर्धन देवांगन, चेतनानंद तथा पारसमणी साहू समेत समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने आशा गौड़ को राष्ट्रीय मंच के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी हैं। पूरा क्षेत्र उनकी इस उपलब्धि पर गर्व महसूस कर रहा है और दिल्ली में होने वाली प्रतियोगिता में उनके बेहतरीन प्रदर्शन की कामना कर रहा है।

आकिब नबी ने गेंद से मचाया कहर, न्यूजीलैंड-ए के टॉप ऑर्डर को किया तहस-नहस, 3 ओवर में झटके 3 विकेट



मुंबई (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज आकिब नबी न्यूजीलैंड में अपनी छाप छोड़ने में कामयाब हुए हैं। न्यूजीलैंड A के खिलाफ अनऑफिशियल टेस्ट में आकिब नबी ने अपनी घातक गेंदबाजी से कीवी बल्लेबाजों को हैरान कर दिया। इंडिया-ए की ओर से खेलते हुए नबी ने अपनी घातक गेंदबाजी से कीवी टीम के टॉप ऑर्डर को झकझोर दिया। उनकी शुरुआती गेंदों ने मैच का रुख बदल दिया और इंडिया-ए को मुकाबले में मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

लिंकन में खेले जा रहे पहले अनऑफिशियल टेस्ट के चौथे दिन न्यूजीलैंड-ए को जीत के लिए 313 रन का लक्ष्य मिला। इससे पहले इंडिया-ए ने अपनी दूसरी पारी में 516 रन बनाकर पारी घोषित की, जिसके बाद कीवी टीम टीम लक्ष्य का पीछा करने उतरी। न्यूजीलैंड-ए को अच्छी शुरुआत की जरूरत थी, लेकिन आकिब नबी ने ऐसा होने नहीं दिया।

पहले 3 ओवर में किया कमाल

नबी ने अपने शुरुआती स्पेल में तीन विकेट झटककर न्यूजीलैंड-ए के बल्लेबाजों को दबाव में ला दिया। उन्होंने अपने पहले 6 ओवर में 21 रन देकर तीन बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखाया। आकिब नबी ने सबसे पहले कप्तान और सलामी बल्लेबाज रीस मारियू को महज 2 रन के निजी स्कोर पर अपना शिकार बनाया। उन्होंने अपने दूसरे ही ओवर में भारतीय टीम को पहली सफलता दिलाई। इसी ओवर में अपना दूसरा शिकार करते हुए न्यूजीलैंड-ए को बैकफुट पर धकेल दिया। ओवर की आखिरी गेंद पर उन्होंने टिम रॉबिन्सन के तौर पर अपना दूसरा शिकार किया। टिम अपना खाता भी नहीं खोल पाए। इसके बाद आकिब ने अपने तीसरे ओवर में मैथ्यू बॉयल को चलता किया।

न्यूजीलैंड-ए की आधी टीम पवेलियन लौटी

आकिब नबी के बाद इंडिया-ए के दूसरे गेंदबाजों ने भी दबाव बनाए रखा। मुकेश चौधरी ने विकेट लेकर मेजबान टीम की मुश्किलें बढ़ाईं, जबकि अंशुल कंबोज ने भी अपना योगदान दिया। लगातार विकेट गिरने के कारण न्यूजीलैंड-ए की पारी लड़खड़ा गई है। चौथे दिन न्यूजीलैंड-ए ने 30 ओवर के भीतर 110 रन पर पांच विकेट खो दिए हैं। टीम को जीत के लिए अभी 193 रन और बनाने हैं। ऐसे में मुकाबले पर इंडिया-ए की पकड़ मजबूत होती दिखाई दे रही है। नबी की शुरुआती सफलता ने भारतीय गेंदबाजों को आत्मविश्वास दिया हैं। अब न्यूजीलैंड-ए के सामने लक्ष्य तक पहुंचने के साथ-साथ अपने बचे हुए विकेट बचाने की चुनौती भी है।

पाकिस्तान सीरीज से पहले श्रीलंका को बड़ा झटका चोट के कारण दोनों टेस्ट से बाहर हुआ धाकड़ ओपनर



नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले श्रीलंका की मुश्किलें बढ़ गई हैं। टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं और अब वह दो मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। श्रीलंका क्रिकेट ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि बाएं पैर की हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण निसांका समय पर फिट नहीं हो पाए। उनकी जगह लाहिरू उदारा को टीम में शामिल किया गया है। निसांका को पाकिस्तान दौरे के लिए श्रीलंका की शुरुआती 15 सदस्यीय टीम में जगह मिली थी, लेकिन उनका खेलना फिटनेस पर निर्भर था। मेडिकल टीम से हरी झंडी नहीं मिलने के कारण उन्हें सीरीज से बाहर होना पड़ा है। यह श्रीलंका के लिए बड़ा झटका है, क्योंकि टीम को पाकिस्तान की धरती पर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप यानी WTC के अहम मुकाबले खेलने हैं। निसांका को सितंबर में इंग्लैंड दौरे के दौरान चोट लगी थी। इसके बाद वह पाकिस्तान के खिलाफ T20I मैचों में भी नहीं खेल पाए थे। उन्हें मौजूदा ODI ट्राई सीरीज के लिए भी सशर्त टीम में शामिल किया गया था, लेकिन फिटनेस टेस्ट पास नहीं कर पाने के कारण वह उससे भी बाहर हो गए। इससे पहले अगस्त में भारत के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में भी वह कलाई की चोट के कारण नहीं खेल सके थे। लगातार चोटों ने उनकी टेस्ट क्रिकेट में वापसी की राह मुश्किल कर दी है।

लाहिरू उदारा को मिला मौका

निसांका की जगह टीम में शामिल किए गए लाहिरू उदारा पहले से ही ODI टीम के साथ पाकिस्तान में मौजूद हैं। उन्हें ट्राई सीरीज के लिए भी निसांका के स्थान पर ही चुना गया था। उदारा अब तक श्रीलंका के लिए पांच टेस्ट मैच खेल चुके हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज और भारत के खिलाफ टीम के पिछले दो टेस्ट अभियानों में हिस्सा लिया था। वेस्टइंडीज के खिलाफ एंटीगुआ में उन्होंने 188 रन की शानदार पारी खेली थी।

9 नवंबर से शुरू होगी टेस्ट सीरीज

श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी, जो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा चक्र का हिस्सा है। पहला टेस्ट 9 से 13 नवंबर तक रावलपिंडी में होगा, जबकि दूसरा मुकाबला 17 से 21 नवंबर तक लाहौर में खेला जाएगा। यह सीरीज श्रीलंका के नए कप्तान कुसल मेंडिस के नेतृत्व में टीम की पहली टेस्ट सीरीज होगी। ऐसे में निसांका की गैरमौजूदगी टीम के लिए चुनौती बढ़ा सकती है।

जेम्स एंडरसन की विदाई पर मचा बवाल, फैंस की नाराजगी के बाद लंकाशायर दे सकता है खास फेयरवेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन का क्रिकेट सफर अभी खत्म नहीं हुआ है, लेकिन लंकाशायर से उनकी विदाई ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। क्लब के इस फैसले से नाराज प्रशंसक चाहते हैं कि एंडरसन को उनके शानदार योगदान के लिए सम्मानजनक विदाई दी जाए। बढ़ते विरोध के बीच लंकाशायर ने अब उनके लिए फेयरवेल आयोजित करने की संभावनाओं पर विचार करने का फैसला किया है।

इंग्लैंड के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले एंडरसन को पिछले सप्ताह लंकाशायर ने रिलीज करने का ऐलान किया था। 44 साल के एंडरसन ने 2001 में इसी क्लब के लिए अपना पेशेवर करियर शुरू किया था। ऐसे में उनके जाने के तरीके से क्लब के कई सदस्य नाराज हैं।

उनका मानना है कि सीजन के अंत में लिया गया यह फैसला फैंस को अपने पसंदीदा खिलाड़ी को धन्यवाद देने और उनके शानदार करियर का जश्न मनाने का मौका दिए बिना लिया गया।

BBC की रिपोर्ट के मुताबिक, 26 अक्टूबर की शाम ओल्ड ट्रैफर्ड में क्लब के अधिकारियों और सदस्यों के बीच हुई बैठक में एंडरसन को रिलीज करने का मुद्दा छाया रहा। बैठक में करीब 200 सदस्य शामिल हुए। कई लोगों ने इस फैसले पर अपनी नाराजगी जाहिर की और क्लब से एंडरसन के सम्मान में कोई खास आयोजन करने की मांग की।

बैठक में लंकाशायर के नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिचर्ड केन्यन और जल्द क्रिकेट निदेशक का पद संभालने वाले पॉल फारब्रेस मौजूद थे।

फारब्रेस अमेरिका में छुट्टियां मनाने के कारण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक में शामिल हुए। माना जा रहा है कि सदस्यों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने एंडरसन को रिलीज करने के फैसले की जिम्मेदारी भी अपने ऊपर ली।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टेस्ट से बाहर हुए स्टीव स्मिथ



नई दिल्ली (एजेंसी)। सीरीज जीतने के इरादे से मैदान पर उतरने से पहले ही ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका लग गया है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन में खेले जा रहे तीसरे और आखिरी टेस्ट में टीम के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ नहीं खेल रहे हैं। गर्दन में अकड़न के कारण उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर होना पड़ा है। उनकी जगह विकेटकीपर-बल्लेबाज जोश इंग्लिस को टीम में शामिल किया गया है। दोनों टीमों के बीच टेस्ट सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबर है, ऐसे में स्मिथ की गैरमौजूदगी ऑस्ट्रेलिया के लिए अहम साबित हो सकती है।

स्मिथ को मैच से एक दिन पहले अभ्यास के दौरान गर्दन में परेशानी महसूस हुई थी। इसके बाद उनकी फिटनेस पर सवाल उठने लगे थे। तीसरे टेस्ट से पहले उनकी उपलब्धता को लेकर फिटनेस टेस्ट किया जाना था, लेकिन वह पूरी तरह सहज महसूस नहीं कर रहे थे।

टॉस के समय ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने बताया कि स्मिथ ने मैच की सुबह भी अपनी फिटनेस जांचने की कोशिश की, लेकिन गर्दन की स्थिति ठीक नहीं होने के कारण उन्हें बाहर रखने का फैसला लिया गया। स्मिथ की परेशानी का असर दूसरे टेस्ट के दौरान भी देखने को मिला था। गकेबरहा में खेले गए उस मुकाबले में गर्दन की समस्या के चलते वह काफी समय तक बल्लेबाजी के लिए मैदान पर नहीं उतरे थे। उस टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को पारी और 31 रन से हार का सामना करना पड़ा था।

ऑस्ट्रेलिया ने प्लेइंग 11 में किए चार बदलाव

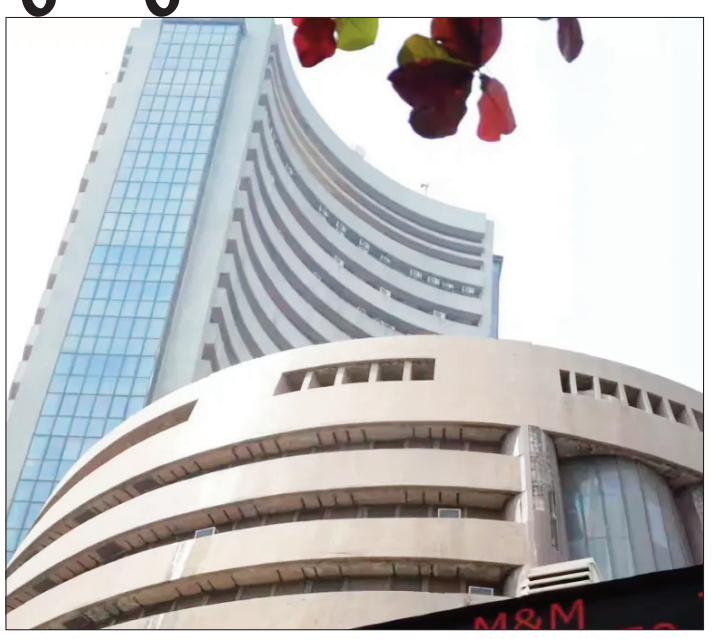
स्मिथ के अलावा ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टेस्ट के लिए तीन और बदलाव किए हैं। जोश इंग्लिस के साथ कैमरन ग्रीन, कूपर कोनोली और नाथन लियोन को प्लेइंग इलेवन में जगह मिली है। वहीं, ब्यू वेबस्टर, निक मैडिनसन, स्कॉट बोलैंड और स्टीव स्मिथ इस मुकाबले में नहीं खेल रहे हैं। कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। ट्रैविस हेड के साथ मैट रेनशॉ ऑस्ट्रेलियाई पारी की शुरुआत करेंगे, जबकि कैमरन ग्रीन के चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने की उम्मीद है।

तीसरा टेस्ट निर्णायक

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा चक्र के तहत खेली जा रही इस सीरीज का पहला टेस्ट ऑस्ट्रेलिया ने डरबन में 214 रन से जीता था। इसके बाद साउथ अफ्रीका ने दूसरे मुकाबले में जोरदार वापसी करते हुए सीरीज बराबर कर दी। अब केपटाउन में होने वाला तीसरा टेस्ट दोनों टीमों के लिए निर्णायक है।

व्यापार

शेयर बाजार की सुस्त शुरुआत, सेंसेक्स 225 अंक और निफ्टी 62 अंक नीचे खुला



मुंबई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार ने मंगलवार, 27 अक्टूबर को कमजोर शुरुआत की। कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच कारोबार शुरू होते ही सेंसेक्स और निफ्टी लाल निशान में आ गए। हालांकि, बाजार में गिरावट के बावजूद कई शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिली। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, बीएसई लिमिटेड और बजाज ऑटो जैसे शेयर बढ़त के साथ कारोबार करते नजर आए। दूसरी ओर, IT और मेटल सेक्टर के कई शेयरों पर दबाव रहा।

सेंसेक्स और निफ्टी में कितनी गिरावट?

कारोबार की शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स 225.19 अंक यानी 0.31% गिरकर 73,381.56 पर खुला। वहीं, एनएसई निफ्टी 61.80 अंक यानी 0.27% फिसलकर 22,691.40 पर पहुंच गया। शुरुआती कारोबार में बाजार में मिला-जुला रुख देखने को मिला। करीब 1,244 शेयरों में तेजी रही, जबकि 1,000 शेयर गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। वहीं, 158 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

टाटा कंज्यूमर समेत इन शेयरों में तेजी

निफ्टी के प्रमुख बढ़त वाले शेयरों में टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स सबसे आगे रहा। इसमें 3.25% की तेजी दर्ज की गई। इसके अलावा बीएसई लिमिटेड में 1.89%, बजाज ऑटो में 1.56%, श्रीराम फाइनेंस में 1.47% और मैक्स हेल्थकेयर में 1.34% की बढ़त देखने को मिली। NTPC, सन फार्मा, इटरनल, पावर ग्रिड, हिंडाल्को और अडानी एंटरप्राइजेज। बैंकिंग सेक्टर में SBI और कोटक महिंद्रा बैंक में मामूली बदलाव देखने को मिला, जबकि कुछ अन्य बैंकिंग शेयरों पर दबाव बना रहा।

IT और मेटल शेयरों में बिकवाली

गिरावट वाले शेयरों में इन्फोसिस सबसे ज्यादा दबाव में रहा। इसके शेयर 2.51% टूटे।

टीसीएस में 1.29%, हिंदुस्तान यूनिलीवर में 1.40%, एशियन पेंट्स में 1.16% और जेएसडब्ल्यू स्टील में 0.98% की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा टाटा स्टील, ग्रासिम, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर भी लाल निशान में कारोबार करते दिखे।

सेक्टरों का कैसा रहा हाल?

सेक्टोरल आंकड़ों के मुताबिक, निफ्टी आईटी में 1.57% की गिरावट रही, जबकि निफ्टी बैंक 0.28% नीचे था। निफ्टी सर्विसेस में भी 0.52% की कमजोरी दर्ज की गई। दूसरी ओर, निफ्टी फार्मा 0.61% और निफ्टी पीएसयू बैंक 0.51% चढ़े। निफ्टी रियाल्टी में 0.29% की बढ़त रही।

टाटा ग्रुप में फिर बढ़ी हलचल, चंद्रशेखरन को चेयरमैन बनाए रखने के फैसले को नोएल टाटा ने दी चुनौती



मुंबई (एजेंसी)। देश के सबसे बड़े कारोबारी समूहों में शामिल टाटा ग्रुप के भीतर नेतृत्व को लेकर विवाद गहराता नजर आ रहा है। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन को दोबारा इस पद पर नियुक्त करने के फैसले को चुनौती दी है। यह प्रस्ताव 17 सितंबर को टाटा संस के बोर्ड की बैठक में पास हुआ था। इस घटनाक्रम से ग्रुप के टॉप लेवल पर मतभेद खुलकर सामने आए हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नोएल टाटा ने सोमवार को टाटा संस के कंपनी सेक्रेटरी सुप्रकाश मुखोपाध्याय को पत्र लिखकर चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति पर आपत्ति जताई। चंद्रशेखरन का मौजूदा कार्यकाल फरवरी 2027 में खत्म होना है। बोर्ड ने उन्हें इसके बाद भी पांच साल के लिए चेयरमैन बनाए रखने का प्रस्ताव मंजूर किया था। सूत्रों के अनुसार, नोएल ने इस प्रस्ताव को अमान्य बताया है। उनका तर्क है कि बैठक में चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति का मुद्दा एजेंडे में शामिल नहीं था और इस पर तय प्रक्रिया से हटकर फैसला लिया गया। उनके मुताबिक, बैठक का उद्देश्य नॉमिनेशन एंड रेम्यूनरेशन कमेटी की ओर से दी गई जानकारी पर चर्चा करना था।

बोर्ड में किसने किसका साथ दिया?

चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति के प्रस्ताव पर मतदान के दौरान नोएल टाटा ने इसका विरोध किया था। वहीं, टाटा ट्रस्ट्स के एक अन्य नामित निदेशक वेणु श्रीनिवासन ने बहुमत के साथ प्रस्ताव का समर्थन किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अनीता जॉर्ज, हरीश मनवानी और सौरभ अग्रवाल समेत अन्य निदेशकों ने भी चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति के पक्ष में वोट दिया था।

टाटा ट्रस्ट्स के पास टाटा संस में दो-तिहाई हिस्सेदारी

टाटा ट्रस्ट्स के पास टाटा संस की करीब दो-तिहाई हिस्सेदारी है। नोएल टाटा का तर्क है कि टाटा संस के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन के मुताबिक, किसी प्रस्ताव को पास कराने के लिए टाटा ट्रस्ट्स के नामित निदेशकों का समर्थन जरूरी है।

सूत्रों के अनुसार, नोएल टाटा ने अपने पत्र में 17 सितंबर की बोर्ड बैठक की बिना संपादन वाली वीडियो रिकॉर्डिंग भी मांगी है। इस मामले पर टिप्पणी के लिए टाटा संस और टाटा ट्रस्ट्स को ईमेल भेजे गए, लेकिन तत्काल कोई जवाब नहीं मिला। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि नोएल की चुनौती का चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति पर क्या असर पड़ेगा। हालांकि, इस घटनाक्रम ने टाटा ग्रुप के बोर्ड में निर्णय लेने की प्रक्रिया और आंतरिक मतभेदों को लेकर चर्चा तेज कर दी है।

हाइवे टोल प्लाजा के पास रहने वालों सरकार ने दी बड़ी राहत, अब सिर्फ 1500 में बनवा सकेंगे सालाना पास



नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल हाईवे से गुजरने वाले स्थानीय निवासियों के लिए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) ने राहत भरी घोषणा की है। सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क नियम, 2008 में संशोधन करते हुए टोल प्लाजा के पास रहने वाले लोगों के लिए एक नया सालाना रियायती स्थानीय पास शुरू करने की अधिसूचना जारी कर दी है। मंत्रालय द्वारा जारी गजट नोटिफिकेशन के अनुसार, यह नया नियम 1 नवंबर 2026 से पूरे देश में लागू हो जाएगा। इस कदम से हर रोज टोल बूथ से होकर गुजरने वाले स्थानीय वाहन चालकों की जेब पर पड़ने वाला वित्तीय बोझ काफी कम हो जाएगा।

नए नियमों के मुताबिक, यदि आपका घर किसी नेशनल हाईवे टोल प्लाजा से 20 किलोमीटर के दायरे में है, तो आप रियायती सालाना पास का लाभ उठा सकते हैं। इसके लिए टोल प्लाजा की लोकेशन के आधार पर ₹1,500 या ₹3,000 सालाना फीस देनी होगी। यदि टोल प्लाजा नगर पालिका या स्थानीय नगर सीमा से बाहर है, तो पास की कीमत ₹1,500 होगी, जबकि इन सीमाओं के भीतर स्थित टोल प्लाजा के लिए ₹3,000 देने होंगे। फिलहाल ₹360 के मासिक पास के हिसाब से सालाना खर्च ₹4,320 होता है। ऐसे में नए पास से पात्र लोगों को हर साल अधिकतम ₹2,820 तक की बचत हो सकती है।

पास बनवाने के लिए ये शर्तें होंगी जरूरी

सालाना टोल पास बनवाने के लिए कुछ जरूरी शर्तों को पूरा करना होगा। यह सुविधा केवल प्राइवेट और नॉन-कमर्शियल वाहनों के लिए होगी। वाहन पर वैध और चालू FASTag होना अनिवार्य है। यह पास केवल उसी टोल प्लाजा पर मान्य होगा, जिसके लिए इसे जारी किया गया है। इसका इस्तेमाल किसी दूसरे टोल प्लाजा पर नहीं किया जा सकेगा। इसके अलावा, सालाना पास की फीस की हर साल 1 अप्रैल को समीक्षा की जा सकती है और दरों में बदलाव किया जा सकता है।

किन परिस्थितियों में नहीं मिलेगा पास?

सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह पास उन हाईवे या एक्सप्रेसवे पर लागू नहीं होगा जहां क्लोज्ड यूजर फी कलेक्शन सिस्टम के तहत टोल लिया जाता है। इसके अलावा, यदि स्थानीय निवासियों के आवागमन के लिए कोई वैकल्पिक रास्ता या सर्विस रोड उपलब्ध है, तो भी यह रियायती पास जारी नहीं किया जाएगा।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे की मिसिंग लिंक पर 1 नवंबर से बदलेंगे नियम

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई और पुणे के बीच सफर करने वाले यात्रियों के लिए बड़ा अपडेट सामने आया है। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे की मिसिंग लिंक पर आगामी 1 नवंबर 2026 से नए और कड़े ट्रैफिक नियम लागू होने जा रहे हैं। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस मार्ग पर कुछ वाहनों की आवाजाही पर स्थायी प्रतिबंध लगाया गया है। इसके अलावा, हल्के वाहनों और बसों के लिए गति सीमा भी तय की गई है।

महाराष्ट्र राज्य के अपर पुलिस महानिदेशक (यातायात) रवींद्र सालुंखे द्वारा जारी स्थायी अधिसूचना के अनुसार, सुरंगों की अनूठी संरचना, तकनीकी पहलुओं और यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह बड़ा फैसला लिया गया है। नई गाइडलाइन के मुताबिक, 1 नवंबर से भारी ट्रकों से लेकर पिकअप वैन और टाटा ऐस (Tata Ace) जैसे हल्के मालवाहक वाहनों के भी इस मार्ग से गुजरने पर हमेशा के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया है। वहीं, ज्वलनशील, विस्फोटक या अन्य खतरनाक पदार्थों की ढुलाई करने वाले टैंकरों व वाहनों की एंट्री पूरी तरह सख्त मना है। इन सभी प्रतिबंधित वाहनों को मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे के पुराने (मूल) मार्ग का ही इस्तेमाल करना होगा।

केवल इन वाहनों को मिलेगी अनुमति

मिसिंग लिंक से गुजरने के लिए केवल चुनिंदा कैटेगरी के वाहनों को ही अनुमति दी जाएगी। इनमें निजी कार, जीप और अन्य गैर-व्यावसायिक हल्के मोटर वाहन (Non-Transport LMVs) शामिल हैं।

चक्रवात 'अर्नब' की वजह से रेलवे ने रद्द की 53 ट्रेनें

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में चक्रवात भयानक रूप धारण करता जा रहा है। इस चक्रवात को 'अर्नब' नाम दिया गया है। चक्रवात 'अर्नब' को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेल भी कई तरह की तैयारियों में जुटा हुआ है। भारतीय रेल के दक्षिण तटीय रेलवे जोन ने चक्रवात से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए कई ट्रेनों को कैंसिल कर दिया है। साउथ कोस्ट रेलवे 27 और 28 अक्टूबर को यात्राएं शुरू करने वाली अभी तक कुल 53 लोकल और एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द करने की घोषणा कर चुका है।

तीन दिवसीय श्री गीता ज्ञान अमृत वर्षा कथा 27 से 29 अक्टूबर तक, 30 को होगा भव्य हवन

साधना से जनसेवा तक श्री संकर्षण शरण जी की आध्यात्मिक यात्रा, रायपुर में होगी गीता कथा

रायपुर ■ दैनन्दिनी



कार्तिक माह के पावन अवसर पर राजधानी रायपुर में धर्म, अध्यात्म, ज्ञान और भक्ति की दिव्य धारा प्रवाहित होने जा रही है। श्रीमद्भगवद्गीता के शाश्वत संदेश को जन-जन तक पहुंचाने तथा जीवन में ज्ञान, भक्ति और कर्म के महत्व को उजागर करने के उद्देश्य से तीन दिवसीय 'श्री गीता ज्ञान अमृत वर्षा कथा' का आयोजन 27 अक्टूबर से 29 अक्टूबर 2026 तक किया जाएगा। कथा के समापन के अगले दिन, 30 अक्टूबर को सुबह 7 बजे भव्य हवन का आयोजन किया जाएगा।

प्रयागराज से पधार रहे परम पूज्य गुरुदेव श्री संकर्षण शरण जी (गुरुजी) अपने श्रीमुख से श्रद्धालुओं को श्रीमद्भगवद्गीता के दिव्य ज्ञान, आध्यात्मिक चिंतन और जीवनोपयोगी संदेशों से परिचित कराएंगे।

कथा के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गए कर्म, धर्म, भक्ति और कर्तव्य के उपदेशों को सरल एवं सहज रूप में प्रस्तुत किया जाएगा, ताकि श्रद्धालु गीता के संदेशों को अपने दैनिक जीवन में आत्मसात कर सकें।

यह आध्यात्मिक आयोजन रायपुर के अश्वनी नगर स्थित सोनकर मैरिज पैलेस में संपन्न होगा। कार्तिक माह की पवित्रता के बीच आयोजित इस कथा में श्रद्धालुओं को सत्संग, आध्यात्मिक चिंतन और प्रभु भक्ति के माध्यम से आत्मिक शांति एवं सकारात्मक जीवन-दृष्टि प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

श्री गीता ज्ञान अमृत वर्षा कथा केवल एक धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि भारतीय सनातन संस्कृति, जीवन मूल्यों और श्रीमद्भगवद्गीता की कालजयी शिक्षाओं से जुड़ने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। आयोजन के माध्यम से समाज में धर्म, सदाचार, कर्तव्यनिष्ठा और आध्यात्मिक चेतना के प्रसार का संदेश दिया जाएगा। इस तीन दिवसीय कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के सम्मिलित होने की संभावना है।

आयोजनकर्ता श्रीमती नमिता पात्रा एवं मां कामाख्या धर्मादा ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने श्रद्धालुओं और धर्मप्रेमी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कथा श्रवण करने तथा धार्मिक आयोजन में सहभागी बनने की अपील की है।

युगदृष्टा महाशक्ति पीठ मां कामाख्या के उपासक एवं 10 महाविद्याओं के साधक श्री संकर्षण शरण जी (गुरुजी)

परम पूज्य सद्गृहस्थ संत श्री संकर्षण शरण जी (गुरुजी) युग प्रवर्तक एवं आध्यात्मिक साधक के रूप में धर्म और अध्यात्म के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं। रामायण, श्रीमद्भगवद्गीता, श्रीमद्भागवत महापुराण और शिव पुराण सहित अनेक धार्मिक ग्रंथों के मर्मज्ञ गुरुजी मां कामाख्या के अनन्य उपासक तथा दस महाविद्याओं के साधक हैं।

गुरुजी का जन्म बिहार के सासाराम के निकट ग्राम बेरुकही में हुआ। उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा गांव में तथा आगे की शिक्षा प्रयागराज में प्राप्त की। विद्यार्थी जीवन से ही उनकी रुचि धर्म, अध्यात्म और साधना में रही। इंटरमीडिएट की पढ़ाई के दौरान ही वे मां भगवती की उपासना में लीन हो गए।

मान्यता है कि मां कामाख्या की कृपा से उन्हें स्वप्न में मंदिर के दर्शन हुए और वहां पहुंचने पर उन्हें वैसा ही स्वरूप दिखाई दिया। इसके बाद उन्होंने मां कामाख्या की कठिन साधना की। साधना के दौरान उन्होंने कई वर्षों तक कच्चे दूध पर रहकर तथा विभिन्न कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए तप किया और दस महाविद्याओं की साधना पूर्ण की।

वर्तमान में गुरुजी का निवास प्रयागराज के नैनी, उत्तर प्रदेश में है। उनके अनुयायी मां भगवती के प्रति उनकी अटूट श्रद्धा, साधना और आध्यात्मिक मार्गदर्शन को विशेष महत्व देते हैं। गुरुजी का जीवन धर्म, भक्ति, साधना और आध्यात्मिक चेतना के प्रति समर्पण का संदेश देता है।

परम पूज्य श्री संकर्षण शरण जी (गुरुजी) गृहस्थ जीवन का निर्वहन करते हुए वैराग्य और आध्यात्मिक साधना के मार्ग पर अग्रसर हैं। धर्म एवं अध्यात्म के साथ सामाजिक सेवा और जनकल्याण को महत्व देते हुए वे लोगों को आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्रदान करते हैं तथा जरूरतमंदों की सहायता के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

गुरुजी के मार्गदर्शन में मां कामाख्या जन कल्याण सेवा संस्थान एवं मां कामाख्या धर्मादा ट्रस्ट, भारतवर्ष के माध्यम से विभिन्न राज्यों में सामाजिक, धार्मिक और जनकल्याणकारी गतिविधियां संचालित की जाती हैं। उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल, दिल्ली सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों में संस्था जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने के लिए कार्यरत है।

संस्था द्वारा निःशुल्क शिक्षा, गरीब कन्याओं के विवाह में सहयोग, जरूरतमंद परिवारों को भोजन, वस्त्र एवं आवश्यक सामग्री का वितरण तथा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाता है। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, धार्मिक आयोजन, भजन, सुंदरकांड पाठ और प्रसाद वितरण जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक एवं आध्यात्मिक चेतना को प्रोत्साहित किया जाता है।

संस्था का उद्देश्य सेवा, सहयोग और संस्कार की भावना को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना है। आध्यात्मिक मार्गदर्शन के साथ जनकल्याण के इन प्रयासों के माध्यम से जरूरतमंदों की सहायता, सामाजिक समरसता और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

शिक्षा की बेहतरी के लिए आगे आए पालक विद्यालय की गतिविधियों की हुई सराहना





बच्चों के परीक्षा परिणाम, बोर्ड परीक्षा की तैयारी और नियमित उपस्थिति पर शिक्षकों व पालकों ने किया विचार-विमर्श

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कामठी, विकासखंड पंडरिया में आज मेगा पालक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बड़ी संख्या में पालकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। इस दौरान विद्यार्थियों के मासिक परीक्षा परिणाम, शैक्षणिक प्रगति तथा आगामी बोर्ड परीक्षा की तैयारी को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। पालकों की सक्रिय सहभागिता से बैठक का माहौल उत्साहपूर्ण एवं सकारात्मक रहा।

बैठक में शिक्षकों ने विद्यार्थियों की पढ़ाई की स्थिति की समीक्षा करते हुए आगामी बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम के लिए नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन और निरंतर अभ्यास के महत्व पर प्रकाश डाला। साथ ही, विद्यालय में अनियमित रूप से आने वाले विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए पालकों को प्रेरित किया गया। शिक्षकों ने कहा कि घर पर बच्चों के अध्ययन के लिए निश्चित समय निर्धारित करना और उन्हें अनुकूल शैक्षणिक वातावरण देना उनकी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इस अवसर पर विद्यालय में संचालित विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों एवं शिक्षण के नवाचारपूर्ण तरीकों की जानकारी भी पालकों को दी गई। विशेष रूप से डिजिटल शैक्षणिक सामग्री के माध्यम से पढ़ाई को सरल, रोचक और प्रभावी बनाने के प्रयासों से अवगत कराया गया। विद्यालय में किए जा रहे इन प्रयासों को देखकर पालकों ने प्रसन्नता व्यक्त की और इन्हें बच्चों की पढ़ाई के लिए उपयोगी एवं लाभदायक बताते हुए शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की।

बैठक में शिक्षकों एवं पालकों ने अपने विचार और सुझाव साझा किए। विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार, नियमित उपस्थिति तथा आगामी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन के लिए आवश्यक कार्ययोजना पर भी चर्चा की गई। सभी ने इस बात पर सहमति जताई कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए विद्यालय और परिवार के बीच निरंतर समन्वय एवं सहयोग आवश्यक है।

पालकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने शिक्षा के प्रति उनकी जागरूकता को प्रदर्शित किया। बैठक में विद्यालय के प्राचार्य, समस्त शिक्षकगण, पालक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बालोद के वॉलीबॉल खिलाड़ियों के लिए सुनहरा मौका : 1 नवंबर को राजहरा में होगा जिला टीम का चयन, 12 से रायगढ़ में होगा राज्यस्तरीय स्पर्धा



बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले के खेल प्रेमियों और वॉलीबॉल खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। छत्तीसगढ़ वॉलीबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में आगामी 12 नवंबर से 15 नवंबर 2026 तक रायगढ़ जिले के पुसौर में 21वीं सीनियर राज्यस्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया जाने वाला है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में प्रदेशभर के तमाम जिलों से पुरुष और महिला वर्ग की मजबूत टीमें हिस्सा लेंगी।

इस प्रतियोगिता में बालोद जिले की आधिकारिक टीम का गठन करने के लिए ट्रायल व चयन प्रक्रिया आगामी 1 नवंबर 2026 (रविवार) को निर्धारित की गई है। चयन प्रक्रिया दोपहर 1:00 बजे से राजहरा वॉलीबॉल एसोसिएशन के ग्राउंड में शुरू होगी, जिसमें जिलेभर के प्रतिभाशाली महिला और पुरुष खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं। आयोजकों के अनुसार, टीम में स्थान पाने के इच्छुक खिलाड़ियों के लिए तय समय पर मैदान में उपस्थित होना अनिवार्य है। खिलाड़ियों का चयन पूरी तरह से उनकी खेल क्षमता, कौशल और फिटनेस के आधार पर पारदर्शिता के साथ किया जाएगा। इस चयन ट्रायल में भाग लेने वाले सभी उत्सुक खिलाड़ियों से अनुरोध है कि वे समय पर पहुंचे और अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए पहले ही संपर्क कर लें। खिलाड़ी अधिक जानकारी प्राप्त करने या अपना रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए व्हीके पटलेः 9407983669, राजकुमार इनावतीः 6264095380, हरीश देवांगनः 8349519182 तथा श्रेयांश दर्शः 9131703249 के मोबाइल नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं। बालोद जिले के खेल जगत में इस आयोजन को लेकर खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। खेल प्रेमियों का मानना है कि जिले के युवा खिलाड़ियों के लिए अपनी खेल प्रतिभा को बड़े मंच पर साबित करने का यह एक बेहतरीन अवसर है।

अवैध रूप से पटाखे बेचते आरोपी गिरफ्तार, 50 हजार का माल जब्त, गुण्डरदेही पुलिस की कार्यवाही



बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में पुलिस ने अवैध पटाखों के भंडारण और बिक्री के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। गुण्डरदेही थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस ने एक दुकान के पास अवैध रूप से रखे गए विभिन्न प्रकार के पटाखे बरामद किए हैं। जब्त किए गए पटाखों की कुल अनुमानित कीमत 50,000 रुपये आंकी गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और विस्फोटक अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

पुलिस विभाग से प्राप्त विस्तृत जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक बालोद किरण गंगाराम चव्हाण (भा.पु.से.) के कुशल मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चंद्रकांत गवर्ना के निर्देशन और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस गुण्डरदेही श्रीमती श्रुति सिंह के सक्रिय पर्यवेक्षण में की गई है। इस पूरी कार्रवाई का नेतृत्व थाना प्रभारी निरीक्षक रवि शंकर पाण्डेय ने अपनी टीम के साथ मिलकर किया।

पुलिस को 26 अक्टूबर 2026 को एक पुख्ता सूचना मिली थी कि गुण्डरदेही थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बघमरा के वार्ड क्रमांक 01 में स्थित 'खिरिया किराना स्टोर्स' के पास एक व्यक्ति द्वारा बिना किसी वैध लाइसेंस या अनुमति के अवैध रूप से भारी मात्रा में पटाखों का भंडारण किया गया है और खुलेआम उनकी बिक्री की जा रही है। सूचना मिलते ही थाना गुण्डरदेही पुलिस हरकत में आई और फौरन बताए गए स्थान पर पहुंचकर औचक निरीक्षण व छापेमारी की कार्रवाई की।

मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने जब्ती की कार्रवाई करते हुए आरोपी के कब्जे से कई मशहूर और खतरनाक माने जाने वाले पटाखे जब्त किए। इनमें मुख्य रूप से पॉप पटाखा (लहसुन), टॉप टाइगर बम (बड़ा एवं छोटा), टाइगर बम के विभिन्न प्रकार, लड़ी पटाका, माचिस पटाका और चुरचुटिया पटाका शामिल हैं। पुलिस द्वारा जब वैध दस्तावेजों की मांग की गई, तो आरोपी मौके पर पटाखों के भंडारण या विक्रय से संबंधित कोई भी वैध लाइसेंस या परमिट प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने पंचनामा तैयार कर सभी पटाखों को अपने कब्जे में ले लिया। जब्त की गई कुल सामग्री की बाजार में अनुमानित कीमत 50,000 रुपये बताई जा रही है।

पकड़े गए आरोपी की पहचान देवेन्द्र कुमार निषाद (पिता बोधीराम निषाद, उम्र 34 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 01, बघमरा, थाना गुण्डरदेही, जिला बालोद, छ.ग.) के रूप में हुई है। पुलिस ने इस मामले में थाना गुण्डरदेही में अपराध क्रमांक 367/2026 दर्ज किया है। आरोपी के ऊपर भारतीय न्याय संहिता की धारा 288 तथा विस्फोटक अधिनियम की धारा 9(ख)(1)(ख) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आगे की विवेचना शुरू कर दी गई है।

इस सफल कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी निरीक्षक रवि शंकर पाण्डेय के साथ-साथ पीएसआई आसमा कुर्रे, सहायक उप निरीक्षक अरविंद साहू, आरक्षक पंकज तारामी, यशवंत देशमुख और विकास साहू की भूमिका बेहद सराहनीय रही।

पीजी कॉलेज मैदान में 2 नवंबर को होगा जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह

कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक में तैयारियों की समीक्षा कर अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

जनजाति गौरव सप्ताह, ई-ऑफिस, सीएम हेल्पलाइन और बजट प्रस्तावों की भी हुई समीक्षा



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के 26 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कबीरधाम जिले में भी जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह का आयोजन किया जाएगा। जिला मुख्यालय स्थित पीजी कॉलेज मैदान में सोमवार, 02 नवंबर को आयोजित होने वाले इस समारोह की तैयारियों को लेकर कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने आयोजन से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ समय पर तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि समारोह का सफल आयोजन किया जा सके।

कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने 11 से 18 नवंबर तक आयोजित होने वाले जनजाति गौरव सप्ताह की तैयारियों की समीक्षा की।

उन्होंने संबंधित विभागों को आयोजन की रूपरेखा के अनुरूप सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए समन्वित प्रयास सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को आगामी बजट वर्ष 2027 के लिए आवश्यक प्रस्ताव निर्धारित समय-सीमा में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

उन्होंने विभागीय आवश्यकताओं के अनुरूप प्रस्ताव तैयार करने और निर्धारित प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री नरेंद्र पैकरा, श्री आरपी आचला, श्री सागर सिंह राज सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

ई-ऑफिस से शासकीय कार्यों का संपादन सुनिश्चित करें

कलेक्टर ने ई-ऑफिस प्रणाली के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए सभी विभाग प्रमुखों को शासकीय कार्यों का संपादन ई-ऑफिस के माध्यम से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यालयीन कार्यप्रणाली को व्यवस्थित बनाने तथा शासकीय कार्यों के समयबद्ध निष्पादन के लिए डिजिटल प्रणाली का प्रभावी उपयोग करने को कहा।

सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का प्राथमिकता से करें निराकरण

बैठक में सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त विभागवार प्रकरणों की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने संबंधित अधिकारियों को लंबित प्रकरणों की जांच कर प्राथमिकता के आधार पर उनका निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आम नागरिकों की शिकायतों के प्रति गंभीरता बरतने तथा निर्धारित समय-सीमा में कार्रवाई करने पर जोर दिया।

वनांचल क्षेत्रों में आवश्यक दस्तावेजों के लिए शिविर लगाने के निर्देश

कलेक्टर ने सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग को वनांचल क्षेत्रों में आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज बनवाने के लिए शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए।

इसका उद्देश्य दूरस्थ क्षेत्रों में निवासरत लोगों को आवश्यक दस्तावेजों की सुविधा उपलब्ध कराना तथा उन्हें शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ लेने में होने वाली परेशानियों को कम करना है।

चक्रवाती तूफान की आशंका को देखते हुए सतर्क रहने के निर्देश

बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान अर्नब को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर ने जिला प्रशासन को सतर्क रहने तथा संभावित परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागों को परिस्थितियों पर निगरानी रखने और आवश्यकता पड़ने पर त्वरित कार्रवाई के लिए तैयार रहने को कहा।

अवैध मदिरा के खिलाफ कबीरधाम में बड़ी कार्रवाई, 143.82 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त

872 छापेमारी में 610 आपराधिक प्रकरण दर्ज, 18.38 लाख रुपये से अधिक की सामग्री जब्त



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन, विक्रय और धारण पर रोक लगाने के लिए आबकारी विभाग द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। विभाग की नियमित गश्त, आकस्मिक जांच और छापेमारी से अवैध मदिरा के कारोबार पर अंकुश लगाने के साथ शासन के राजस्व हितों की सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2026-27 में 1 अप्रैल से 25 अक्टूबर 2026 तक जिले में 143.82 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। वहीं, अवैध मदिरा के विरुद्ध चलाए गए अभियान के तहत 872 छापेमारी कर 610 आपराधिक प्रकरण दर्ज किए गए हैं। जिला आबकारी अधिकारी श्री मुकेश पाण्डेय ने बताया कि जिले में अवैध मदिरा के कारोबार पर नियंत्रण के लिए विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सतत निगरानी रखी जा रही है। आबकारी अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध मदिरा, महुआ लाहन और मदिरा के परिवहन में प्रयुक्त वाहनों को जब्त किया गया है। विभाग का उद्देश्य अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के साथ शासन की आबकारी नीति का क्रियान्वयन और राजस्व की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

अभियान के दौरान विभाग द्वारा कुल 1326.04 बल्क लीटर मदिरा जब्त की गई। इसमें 666.53 बल्क लीटर देशी मदिरा, 34.51 बल्क लीटर विदेशी मदिरा तथा 625 बल्क लीटर कच्ची महुआ शराब शामिल है। इसके साथ ही 4254 किलोग्राम महुआ लाहन भी जब्त किया गया। अवैध मदिरा के परिवहन में प्रयुक्त 10 वाहन भी जब्त किए गए, जिनमें 8 दोपहिया और 2 चारपहिया वाहन शामिल हैं। जब्त मदिरा, वाहनों एवं अन्य सामग्रियों का कुल अनुमानित बाजार मूल्य 18 लाख 38 हजार 909 रुपये है।

दूसरे राज्यों की मदिरा के अवैध परिवहन पर विशेष नजर

अवैध मदिरा के कारोबार पर नियंत्रण के लिए अन्य राज्यों से होने वाले अवैध परिवहन पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अभियान के दौरान दर्ज 610 आपराधिक प्रकरणों में से 53 गंभीर आपराधिक प्रकरणों का उल्लेख किया गया है, जिनमें 12 प्रकरण हरियाणा एवं मध्यप्रदेश में निर्मित मदिरा से संबंधित हैं।

जब्त मदिरा में अन्य राज्यों में निर्मित 196.81 बल्क लीटर मदिरा भी शामिल है। पिछले वर्ष की तुलना में अन्य राज्यों की मदिरा से संबंधित प्रकरणों में की गई कार्रवाई अवैध परिवहन पर नियंत्रण और छत्तीसगढ़ के राजस्व हितों की सुरक्षा की दिशा में विभाग की सक्रियता को दर्शाती है।

हाउसिंग बोर्ड बनेगा अधोसंरचना विकास का प्रमुख केंद्र : ओपी चौधरी

रायपुर ■ दैनन्दिनी



वित्त, आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल आने वाले वर्षों में प्रदेश के आर्थिक और अधोसंरचनात्मक विकास का प्रमुख इंजन बनेगा। हाउसिंग बोर्ड को केवल आवास निर्माण तक सीमित न रखते हुए सड़क, पुल, खेल परिसर, सार्वजनिक भवन, टाउन प्लानिंग और शहरी पुनर्विकास जैसी परियोजनाओं में भी भागीदारी बढ़ाई जाएगी। वे मंगलवार को नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ संवाद के सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय तकनीकी प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। मंत्री चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार मंडल को आर्थिक रूप से मजबूत, आत्मनिर्भर और बहुआयामी संस्था बनाने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने वित्त विभाग के सहयोग से मंडल की लगभग 700 करोड़ रुपये की लंबित ऋण देनदारी समाप्त कर उसे आर्थिक मजबूती प्रदान की है। लंबे समय से रिक्त संपत्तियों के विक्रय के लिए एकमुश्त समझौता योजना लागू की गई, जिससे राजस्व अर्जन और संसाधनों के बेहतर उपयोग को बढ़ावा मिला। उन्होंने कहा कि भविष्य में आवासीय परियोजनाएं वास्तविक मांग और बुकिंग के आधार पर शुरू की जाएंगी। इससे पूंजी फंसने और अनावश्यक वित्तीय जोखिम को कम किया जा सकेगा। मंडल को सड़क, पुल-पुलिया, स्टेडियम और सार्वजनिक भवनों के निर्माण में भी अपनी विशेषज्ञता विकसित करनी होगी। उन्होंने अगले दो वर्षों में छत्तीसगढ़ के बाहर भी परियोजनाएं हासिल करने का लक्ष्य रखने की बात कही। चौधरी ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) और टाउन प्लानिंग स्कीम के माध्यम से अधोसंरचना विकास पर जोर दिया। उन्होंने सेरीखेड़ी परियोजना का उदाहरण देते हुए बताया कि पीपीपी मॉडल से लगभग 94 एकड़ भूमि की बचत संभव हुई है। मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने बताया कि पिछले लगभग 18 महीनों में करीब 8 हजार संपत्तियों का विक्रय और 1,800 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया गया है। साथ ही 2 हजार करोड़ रुपये से अधिक की नई परियोजनाओं को आगे बढ़ाया गया है। कार्यशाला में अधिकारियों-कर्मचारियों को आधुनिक तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वित्तीय प्रबंधन, संपदा प्रबंधन और निर्माण गुणवत्ता संबंधी प्रशिक्षण दिया गया।

खून से सनी मिली अधेड़ की लाश

रायपुर

राजधानी रायपुर के लाभांडी इलाके में मंगलवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई, जब एक अधेड़ की लाश संदिग्ध हालत में मिली। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई है। यह पूरा मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र का है। लाभांडी इलाके में आज सुबह एक युवक की लाश संदिग्ध हालत में मिली, जिसकी पहचान हिमेश यादव (40) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि युवक के सिर से खून निकल रहा है। ऐसे में लोगों ने हत्या की आशंका जताई है। इधर घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, पुलिस FSL और डॉग स्क्वाड की टीम मौके पर पहुंची। साथ ही शव को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरु कर दी है। फिलहाल अभी मौत के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। रायपुर DCP सेंट्रल जोन तारकेश्वर पटले ने इसकी पुष्टी करते हुए कहा कि लाश मिली है, जिसकी जांच की जा रहा है। पुलिस FSL और डॉग स्कॉट टिम मौके पर पहुंची है। हर बिंदुओं पर जांच की जा रही है। मौत के कारणों का पता लगाया जा रहा है।



अपूर्ण एवं अपंजीकृत परियोजना पर छग-रेरा की सख्त कार्रवाई

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (CG-RERA) ने भू-संपदा परियोजनाओं में आबंटियों के हितों की सुरक्षा और रेरा अधिनियम के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण आदेश पारित किया है। प्राधिकरण ने रायपुर जिले के सेजबहार स्थित 'वात्सल्य गौरव-1, फेज-1' परियोजना के विकास कार्य अपूर्ण रहने तथा पूर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं किए जाने के मामले में प्रमोटर को आबंटी के पक्ष में 6 लाख 87 हजार 496 रुपये ब्याज राशि का भुगतान करने के निर्देश दिए हैं। इसके अतिरिक्त परियोजना का पूर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त होने तक प्रतिमाह 7 हजार 314 रुपये ब्याज भुगतान करने का भी आदेश दिया गया है। प्राधिकरण द्वारा प्रकरण की सुनवाई के दौरान पाया गया कि संबंधित परियोजना में स्वीकृत ले-आउट के अनुरूप विकास कार्य पूर्ण नहीं किए गए हैं। साथ ही सक्षम प्राधिकारी से परियोजना का पूर्णता प्रमाण पत्र भी प्राप्त नहीं किया गया है। इन तथ्यों के आधार पर प्राधिकरण ने परियोजना को अपूर्ण एवं चालू परियोजना की श्रेणी में मानते हुए भू-संपदा (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 की धारा 18 के अंतर्गत विलंब के लिए ब्याज भुगतान का आदेश पारित किया है।

प्रमोटर को आबंटी को 6.87 लाख रुपये ब्याज भुगतान करने का आदेश

वर्ष 2019 से अक्टूबर 2026 तक की अवधि के लिए ब्याज भुगतान का आदेश-प्राधिकरण के आदेश के अनुसार, प्रमोटर को आबंटी द्वारा भुगतान की गई 8 लाख 12 हजार 643 रुपये की राशि पर वर्ष 2019 से अक्टूबर 2026 तक 10.80 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर के आधार पर कुल 6 लाख 87 हजार 496 रुपये का भुगतान करना होगा। इसके साथ ही 1 नवंबर 2026 से परियोजना का पूर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त होने तक आबंटी को प्रतिमाह 7 हजार 314 रुपये की राशि का भुगतान करना होगा।

बिना पंजीयन परियोजना विकसित करने पर पृथक कार्रवाई के निर्देश-प्राधिकरण ने परियोजना का रेरा पंजीयन नहीं कराए जाने के मामले को भी गंभीरता से लिया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि भू-संपदा अधिनियम की धारा 3 के अंतर्गत पात्र परियोजनाओं का पंजीयन अनिवार्य है। इसके बावजूद संबंधित परियोजना का पंजीयन नहीं कराए जाने पर प्रमोटर के विरुद्ध अधिनियम की धारा 59 के अंतर्गत पृथक प्रकरण दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं।

भूखंड बेचने मात्र से समाप्त नहीं होती प्रमोटर की जिम्मेदारी-प्राधिकरण के इस आदेश से स्पष्ट है कि किसी परियोजना में भूखंडों का विक्रय कर देने मात्र से प्रमोटर की वैधानिक जिम्मेदारियां समाप्त नहीं हो जाती हैं। स्वीकृत ले-आउट के अनुरूप सड़क, नाली, विद्युत, पेयजल सहित निर्धारित विकास कार्यों और आवश्यक आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा सक्षम प्राधिकारी से आवश्यक प्रमाण पत्र प्राप्त करना प्रमोटर का दायित्व है। CG-RERA द्वारा पारित यह आदेश भू-संपदा क्षेत्र में पारदर्शिता, जवाबदेही और आबंटियों के अधिकारों की सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण है। इससे यह संदेश भी मिलता है कि परियोजनाओं के विकास में अनावश्यक विलंब तथा रेरा अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले प्रमोटरों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

हमारे वनों की समृद्धि और मातृशक्ति के परिश्रम से तैयार उत्पाद बनें छत्तीसगढ़ की पहचान : साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 'छत्तीसगढ़ हर्बल्स' के दिवाली गिफ्ट पैक का किया लोकार्पण



रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर के सिविल लाइन स्थित मुख्यमंत्री निवास में 'छत्तीसगढ़ हर्बल्स' के दिवाली गिफ्ट पैक का लोकार्पण किया। वन धन विकास केंद्रों से जुड़ी महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित स्थानीय एवं हर्बल उत्पादों को आकर्षक गिफ्ट पैक के रूप में तैयार किया गया है। इस पहल से जहां छत्तीसगढ़ के गुणवत्तापूर्ण स्थानीय उत्पादों को व्यापक बाजार मिलेगा, वहीं लघु वनोपज संग्राहकों और महिला स्व-सहायता समूहों की आजीविका को भी मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अभिनव पहल की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध वन संपदा हमारे लाखों वनवासी परिवारों की आजीविका का महत्वपूर्ण आधार है। हमारी सरकार का प्रयास है कि वनों से प्राप्त उपज का अधिक से अधिक मूल्य संवर्धन प्रदेश में ही हो और इसका सीधा आर्थिक लाभ वन उपज संग्राहकों तथा इससे जुड़े महिला समूहों तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन धन विकास केंद्रों के माध्यम से हमारी माताएं-बहनें स्थानीय वनोपज को प्रसंस्कृत कर गुणवत्तापूर्ण उत्पाद तैयार कर रही हैं। इन उत्पादों को बेहतर पैकेजिंग, ब्रांडिंग और बाजार से जोड़कर हम उनके परिश्रम को नई पहचान और आय के बेहतर अवसर दे रहे हैं। 'छत्तीसगढ़ हर्बल्स' के दिवाली गिफ्ट पैक इसी दिशा में एक सार्थक पहल हैं।

उन्होंने प्रदेशवासियों से स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने का आह्वान करते हुए कहा कि जब हम छत्तीसगढ़ में बने उत्पादों को खरीदते और उपहार में देते हैं, तो उसका लाभ सीधे हमारे वनांचल के परिवारों और महिला स्व-सहायता समूहों तक पहुंचता है। स्थानीय उत्पादों को अपनाना हमारी परंपराओं, स्थानीय उद्यमिता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने में हमारी सहभागिता है।

उल्लेखनीय है कि 'छत्तीसगढ़ हर्बल्स' के दिवाली गिफ्ट पैक दो श्रेणियों—प्रीमियम और सामान्य—में तैयार किए गए हैं। प्रीमियम गिफ्ट पैक में नौ प्रकार के चयनित उत्पाद शामिल हैं। वहीं सामान्य गिफ्ट पैक में पांच प्रकार के उत्पाद रखे गए हैं। आम नागरिक इन गिफ्ट पैक को छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ द्वारा संचालित 'संजीवनी' विक्रय केंद्रों से खरीद सकेंगे। इससे दिवाली पर उपहार देने की परंपरा को छत्तीसगढ़ के स्थानीय उत्पादों, महिला उद्यमिता और जनजातीय आजीविका से जोड़ने का अवसर मिलेगा।

वन संपदा के साथ छत्तीसगढ़ के पारंपरिक स्वाद का समावेश-दिवाली गिफ्ट पैक में प्रदेश की वन संपदा और स्थानीय स्वाद से जुड़े विविध उत्पादों को शामिल किया गया है। इनमें जामुन जूस, जामुन स्प्रेड, आंवला कैंडी, इमली कैंडी, कोदो और महुआ से बने कुकीज़, च्यवनप्राश, वाइल्ड फॉरेस्ट हनी, बस्तर के मसाला एवं नमकीन काजू, जशपुर की ग्रीन टी तथा एलोवेरा जेल जैसे उत्पाद शामिल हैं। इन उत्पादों में छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक संपदा, पारंपरिक खाद्य संस्कृति और महिला समूहों के उद्यम कौशल का सुंदर समावेश दिखाई देता है। स्थानीय वनोपज से तैयार इन उत्पादों की बेहतर पैकेजिंग और विपणन से 'छत्तीसगढ़ हर्बल्स' ब्रांड को भी नई पहचान मिल रही है।

वन धन विकास केंद्रों में तैयार हो रहे उत्पाद

गिफ्ट पैक में शामिल उत्पाद प्रदेश के विभिन्न वन धन विकास केंद्रों और प्रसंस्करण इकाइयों में तैयार किए जा रहे हैं। इनमें वन धन विकास केंद्र कौरीनभाटा (राजनांदगांव), बोड़ला (कवर्धा), पंचक्की (जशपुर), आसना (जगदलपुर), दुगली (धमतरी), डोंगानाला (कटघोरा) तथा केंद्रीय प्रसंस्करण इकाई जामगांव (एम), दुर्ग शामिल हैं। इन वन धन विकास केंद्रों का वार्षिक कारोबार लगभग 60 से 70 लाख रुपए है। यहां वनोपज के प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन के माध्यम से स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आय के अवसर सृजित किए जा रहे हैं। विशेष रूप से महिला स्व-सहायता समूह उत्पादन, प्रसंस्करण, पैकेजिंग और अन्य गतिविधियों से जुड़कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रहे हैं। वन धन उत्पादों के प्रसंस्करण, निर्माण और विपणन का प्रत्यक्ष लाभ वन उपज संग्राहकों और महिला स्व-सहायता समूहों को मिलता है। दिवाली गिफ्ट पैक के माध्यम से इन उत्पादों की मांग और बिक्री बढ़ने से वनांचल की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ महिला समूहों के आर्थिक सशक्तीकरण को भी नया बल मिलेगा।

इंस्टाग्राम में मंत्री गुरु खुशवंत के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी, आरोपी गिरफ्तार

आरंग/ रायपुर ■ दैनन्दिनी

कैबिनेट मंत्री एवं सतनामी समाज के धर्मगुरु गुरु खुशवंत साहेब के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर की गई आपत्तिजनक और अमर्यादित टिप्पणी के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल (@gurukhuswant) पर चंदखुरी से आरंग तक निकाली गई 71 किलोमीटर लंबी विशाल कांवड़ यात्रा से जुड़ा एक पोस्ट अपलोड किया गया था। इस पोस्ट के कमेंट सेक्शन में jai_praksh_official_ नामक इंस्टाग्राम आईडी से मंत्री और सतनामी समाज के खिलाफ बेहद अशोभनीय, अमर्यादित और अपमानजनक भाषा का प्रयोग करते हुए टिप्पणियां की गई थी। इस घटना के बाद सामाजिक कार्यकर्ता ओम प्रकाश बघेल ने सिविल लाइन रायपुर थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की भद्दी टिप्पणियों से न केवल मंत्री की व्यक्तिगत प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है, बल्कि सतनामी समाज सहित सर्वसमाज की भावनाएं भी आहत हुई हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना सिविल लाइन रायपुर में 17 अगस्त को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 296 बीएनएस (अशलील कृत्य या आचरण), धारा 196 बीएनएस (विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देना), धारा 353(2) बीएनएस (सार्वजनिक शरारत करने वाले बयान) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया था। प्रकरण की विवेचना उपनिरीक्षक धीरेंद्र बंजारे द्वारा की जा रही थी। डिजिटल साक्ष्यों और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया है और न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।



कभी पानी के लिए घंटों इंतजार, अब घर में नल खोलते ही भर रहे बर्तन

रायपुर ■ दैनन्दिनी



कभी सुबह की शुरुआत पानी की चिंता से होती थी। बर्तन लेकर हैंडपंप तक पहुंचना, अपनी बारी के लिए घंटों कतार में खड़े रहना और फिर पानी ढोकर घर लाना रोज की मजबूरी थी। गर्मियों में हैंडपंप खराब हो जाता तो एक बाल्टी पानी जुटाना भी चुनौती बन जाता। अब उन्हीं घरों में नल से पानी भर रहा है। न हैंडपंप तक दौड़ लगानी पड़ रही है, न कतार में घंटों गंवाने पड़ रहे हैं। यह गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले के पेंड्रा विकासखंड के बारीउमराव गांव की नई तस्वीर है, जहां जल जीवन मिशन के तहत हर घर में नल कनेक्शन लगाया गया है। घर पर ही पानी की उपलब्धता ने ग्रामीणों की रोजमर्रा की जिंदगी आसान कर दी है। सबसे बड़ा फर्क उस समय और मेहनत का है, जो पहले सिर्फ पानी जुटाने में खर्च हो जाते थे। बारीउमराव के श्री करमदास पुराने दिनों को याद करते हुए बताते हैं कि पीने और घरेलू जरूरतों के लिए हैंडपंप पर निर्भर रहना पड़ता था। गर्मियों में वहां लंबी कतार लगती थी। कई बार हैंडपंप खराब होने पर दूर-दराज से पानी लाना पड़ता था। अब घर में ही नियमित पानी मिलने से यह परेशानी दूर हो गई है।श्री करमदास कहते हैं, "पहले पानी भरने में काफी समय और मेहनत लगती थी। अब घर में ही नल से पानी मिल जाता है। न दूर जाना पड़ता है, न लाइन लगानी पड़ती है। बचा हुआ समय दूसरे कामों में लगा पाते हैं। पूरा परिवार खुश है।" बारीउमराव में जल जीवन मिशन से सभी घरों में नल लगने से महिलाओं को बड़ी राहत मिली है, जिन्हें पहले पानी के बर्तन लेकर हैंडपंप तक आना-जाना पड़ता था। घर में ही पानी मिलने से अब दूसरे कामों के लिए ज्यादा वक्त मिलने लगा है। करमदास जैसे ग्रामीणों के लिए इस बदलाव की अहमियत सिर्फ नल लगने तक सीमित नहीं है। उनके लिए असली राहत पानी जुटाने की रोज की भागदौड़ से छुटकारा और अपने कीमती समय को अपने हिसाब से उपयोग करने की है।

पं. जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में वार्षिक खेल समारोह 'एनिग्मा 9.0' के अंतर्गत पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

रायपुर ■ दैनन्दिनी

पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर में वार्षिक खेल समारोह 'एनिग्मा 9.0' के अंतर्गत पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के खेल मैदान में आयोजित हुए इस समारोह में खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग के सचिव श्री अमित कटारिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में चिकित्सा शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व संचालक एवं ऑर्थोपेडिक्स विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. सुबीर मुखर्जी तथा विशेष अतिथि के रूप में पं. नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय के एनाटॉमी विभाग के पूर्व प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. माणिक चटर्जी उपस्थित थे। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. विवेक चौधरी एवं अम्बेडकर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने कार्यक्रम की मेजबानी की। आयोजन में स्टूडेंट यूनियन के अध्यक्ष डॉ. एसबीएस नेताम, स्पोर्ट्स कमेटी के अध्यक्ष डॉ. विवेक पात्रे तथा सह-अध्यक्ष डॉ. प्रदीप चंद्राकर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। खेल समिति में डॉ. राजेंद्र अहिरे, डॉ. करिश्मा सिंह, डॉ. कुशल चक्रवर्ती और डॉ. नागेंद्र सिंह सोनवानी शामिल थे। वहीं, छात्र समिति की ओर से स्पोर्ट्स सेक्रेटरी सुश्री अर्चिकांगे एवं श्री आलोक राज चेल्के ने आयोजन संबंधी जिम्मेदारियों को संभाला।

एनिग्मा 9.0 के अंतर्गत इनडोर गेम्स, एथलेटिक्स और आउटडोर स्पोर्ट्स की विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इनडोर गेम्स में शतरंज, टेबल टेनिस, कैरम और बैडमिंटन शामिल रहे। एथलेटिक्स में 100 मीटर दौड़, शॉटपुट, डिस्कस थ्रो, लॉन्ग जंप और जेवलिन थ्रो जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। वहीं, आउटडोर स्पोर्ट्स में खो-खो, फुटबॉल, बास्केटबॉल, कबड्डी, क्रिकेट और वॉलीबॉल के मुकाबले हुए। विभिन्न बैच के छात्र-छात्राओं ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया।पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि श्री अमित कटारिया ने अपने संबोधन में कहा कि व्यस्त कार्यक्रम



और एक आवश्यक बैठक होने के बावजूद उन्होंने विद्यार्थियों के साथ संवाद करने के उद्देश्य से इस समारोह में शामिल होने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2009 में रायपुर नगर निगम के आयुक्त रहते हुए भी वे महाविद्यालय के खेल समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि खेल महाविद्यालयीन जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। खेल विद्यार्थियों को न केवल अनुशासन और टीम भावना सिखाते हैं, बल्कि हार को स्वीकार करने और उससे उबरने की शक्ति भी प्रदान करते हैं। जीत मिलने पर जो आनंद और संतुष्टि प्राप्त होती है, वह खेलों को और भी विशेष बनाती है। उन्होंने अपने खेल अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने भी विभिन्न खेलों में रुचि ली है और खेल जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

विभिन्न खेलों के विजेताओं ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन-प्रतियोगिताओं के परिणामों के अनुसार, शतरंज में छात्र वर्ग में अभिषेक राजवाड़े तथा छात्रा वर्ग में डॉ. हिमानी बंजारे ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। टेबल टेनिस के पुरुष एकल वर्ग में डॉ. मनीष साहू और महिला एकल वर्ग में डॉ. मनीषा टोप्पो विजेता रहे। कैरम के महिला एकल वर्ग में डॉ. हर्षिता तलांडी तथा पुरुष एकल वर्ग में डॉ. वैभव साहू ने जीत हासिल की। बैडमिंटन के पुरुष एकल वर्ग में डॉ. आदित्य जैन विजेता रहे। एथलेटिक्स में 100 मीटर दौड़ के पुरुष वर्ग में कर्णिक ठाकुर और महिला वर्ग में गरिमा दर्रो ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। शॉटपुट के महिला वर्ग में डॉ. जयलता बघेल, डिस्कस थ्रो के महिला वर्ग में भी डॉ. जयलता बघेल तथा लॉन्ग जंप के महिला वर्ग में वर्षा बघेल ने बाजी मारी। जेवलिन थ्रो के पुरुष वर्ग में डॉ. श्रवण कुमार पैकरा और महिला वर्ग में डॉ. जयलता बघेल विजेता रहीं।

टीम स्पर्धाओं में भी दिखा उत्साह-टीम स्पर्धाओं में विद्यार्थियों ने खेल भावना और सामूहिक प्रयास का परिचय दिया। फुटबॉल के पुरुष वर्ग में 2022 बैच की टीम ए विजेता रही। बास्केटबॉल के पुरुष वर्ग में 2022 बैच तथा महिला वर्ग में 2021 बैच ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कबड्डी के पुरुष एवं महिला वर्ग में 2022 बैच की टीमों ने जीत दर्ज की।क्रिकेट के पुरुष वर्ग में 2022 बैच और महिला वर्ग में 2021 बैच विजेता रहा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा खसरा नं. 317/4, सालासर ग्रीन्स के पीछे, सरोना रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स, सरोना रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com